▪ आश्विन शुक्ल - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 77 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 09-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हरियाणा में समाज को बांटने की कांग्रेस की योजना विफल : शिवराज सिंह चौहान

6 बढ़ती सुख-सुविधाओं की लालसा ने मनुष्य का सुकून छीना

7 अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला

हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को बहुमत

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024

भाजपा	कांग्रेस	आईएनएलडी	अन्य
48	37	2	3

कुल सीट : 90 सरकार बनाने के लिए बहुमत : 45

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024

जेकेएन	भाजपा	कांग्रेस	जेकेपीडीपी	जेपीसी	अन्य
42	29	6	3	1	7

कुल सीट : 90 सरकार बनाने के लिए बहुमत : 45

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा में संभावित विजेता के रूप में देखे जा रहे कांग्रेस के पंजे से जीत छीन ली और लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के साथ ही सत्ता के सिंहासन पर विराजमान होने की हैट्रिक बनाने के लिए तैयार है, वहीं केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद हुए चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के बहुमत हासिल करने के साथ ही यहां उसके सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

हरियाणा में 90 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटें जीत ली है और सरकार बनाने के लिए आवश्यक जादुई आंकड़े से दो सीट अधिक है। जीत के दावेदार मानी जाने वाली कांग्रेस 37 सीटों पर सिमट गयी जबकि

इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) ने दो तथा निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन निर्वाचन क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं जबकि भाजपा ने 29 सीटों पर जीत हासिल की। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जेकेपीडीपी) केवल तीन सीटें जीतने में सफल रही। आम आदमी पार्टी (आप) ने डोडा सीट जीतकर यूटी में अपना खाता खोला। निर्दलीय उम्मीदवारों ने 07 सीटें जीतीं है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दिग्गज मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने कुलगाम से जीत हासिल की, वहीं पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेता सज्जाद लोन ने हंदवाड़ा सीट से चुनाव जीता।

ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं, बैटरी की क्षमता और नतीजों के बीच कोई संबंध नहीं : निर्वाचन आयोग के सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने मंगलवार को कांग्रेस नेताओं के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने हरियाणा की कुछ सीटों पर ईवीएम से कथित छेड़छाड़ की बात कही थी और दावा किया था मशीनों में बैट्री चार्ज की अलग-अलग स्थिति के कारण अलग-अलग नतीजे आए। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत जिलों से ईवीएम को लेकर शिकायतें आई हैं तथा जिन ईवीएम की बैट्री 99 प्रतिशत चार्ज थी उनमें कांग्रेस उम्मीदवारों की हार हुई है, लेकिन जिनकी बैट्री 60-70 प्रतिशत चार्ज थी उनमें कांग्रेस की जीत हुई है।

हरियाणा की जनता ने झूठ को परास्त कर विकास की जीत सुनिश्चित की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर भारतीय अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र को कमजोर करने तथा इसके संस्थानों को बदनाम करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश में शामिल होने का मंगलवार को आरोप लगाया। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के अब तक के सबसे बेहतरीन चुनावी प्रदर्शन के बाद मोदी ने पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में झूठ पर विकास की राजनीति की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव भारत के संविधान और लोकतंत्र की जीत है। हरियाणा में पार्टी की लगातार तीसरी जीत से उत्साहित मोदी ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर जोरदार हमला किया और कहा कि वह निर्वाचन आयोग, सेना और न्यायपालिका जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करना चाहती है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों का आभार, हरियाणा में हार का करेंगे आकलन : खरगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर में इंडिया समूह को मिली जीत के लिए वहां के लोगों का आभार जताया है लेकिन हरियाणा में पार्टी की हार को अप्रत्याशित बताते हुए कहा है कि हार के कारणों का आकलन किया जाएगा। खरगे ने यहां जारी बयान में कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों को कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेन्स गठबंधन को सेवा का मौक़ा देने के लिए हृदय से धन्यवाद। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं गठबंधन सरकार के मुखिया उमर अब्दुल्ला को शानदार जीत की बधाई। उन्होने कहा, यह जनमत जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के जनविरोधी नीतियों, जनता के अधिकारों का हनन और उत्पीड़न तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के ख़िलाफ़ दिया है। हमारी गठबंधन सरकार आपकी आकांक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेगी। आपकी ख़ुशहाली और संवैधानिक हकों की रक्षा के लिए इंडिया समूह पूरी तरह संकल्पित है।

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में 22 पाकिस्तानी नागरिकों को बसाने में मदद के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। पुलिस ने 22 पाकिस्तानी नागरिकों को हिंदू नामों के साथ बेंगलूरु और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में बसाने और पनाह देने में मदद के आरोप में परवेज नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हाल में, बेंगलूरु के बाहरी इलाके जिगानी में एक परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था, जो पाकिस्तानी नागरिक थे। उनकी गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद, यहां पीन्या में तीन और पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में दावणगेरे जिले में भी कुछ पाकिस्तानियों की मौजूदगी का पता चला और उन्हें भी हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि परवेज इन पाकिस्तानियों को उनके बदले हुए नामों से सभी दस्तावेज हासिल करने में मदद कर रहा था। उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

पुडुचेरी के अस्पताल में बम रखे होने की सूचना झूठी निकली

पुडुचेरी/भाषा। पुडुचेरी में जेआईपीएमईआर अस्पताल में मंगलवार को बम रखे होने की ईमेल के जरिए सूचना मिली लेकिन बाद में पता चला कि यह एक झूठी धमकी थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रमुख चिकित्सा संस्थान ने ईमेल पर मिली बम रखे होने की धमकी के बाद साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस की एक टीम और बम निरोधक दस्ता अस्पताल पहुंचा और व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नर्रा चैतन्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बम निरोधक दस्ते सहित पुलिस दल ने जेआईपीएमईआर के सभी हिस्सों में गहन तलाशी ली और 'कहीं भी कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।' उन्होंने कहा कि यह एक झूठी धमकी थी।

उत्तर कोरिया ने परमाणु हमले की धमकी दी

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि वह दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ संभावित संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। किम ने दोनों देशों पर उत्तर कोरिया को युद्ध के लिए उकसाने और कोरियाई प्रायद्वीप में दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को इस बारे में खबर दी। किम पहले भी कई बार इस तरह की धमकी दे चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किम की ये हालिया चेतावनी अमेरिका में अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उत्तर कोरिया द्वारा दुश्मनी को बढ़ावा देने के इरादे से दी गई है।

09-10-2024 सूर्यास्त	10-10-2024 सूर्योदय
5:53 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
81,634.81	25,013.15
(+584.81)	(+217.40)

सोना	चांदी
7,953 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सक्षम और पूर्ण आत्मनिर्भर वायुसेना की दिशा में प्रयास जारी रखें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने मंगलवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) से वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे पुनः संगठित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वैश्विक सुरक्षा का माहौल लगातार बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्षों ने एक मजबूत और सक्षम वायुसेना की आवश्यकता को दर्शाया है। इसलिए, भारतीय वायुसेना को हमारे राष्ट्रीय हितों को चुनौती देने वाली किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

भारतीय वायुसेना के 92वें वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर यहां के निकट ताम्बरम स्थित वायुसेना स्टेशन पर परेड की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा, नवोन्मेष और लीक से हटकर सोच के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाना, आज के बहु-क्षेत्रीय वातावरण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। सिंह ने कहा कि पिछले साल वायुसेना ने परिचालन की क्षमताओं को मजबूत करने, अपने पेशेवर रुख को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की और निरंतर विकसित होते चुनौतीपूर्ण आधुनिक युद्ध को लेकर खुद को उसके अनुकूल ढालने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वायुसेना दिवस पूर्व और वर्तमान के वायुसेना योद्धाओं के 'साहस' और 'शौर्य' को सम्मान देने, अपना जीवन बलिदान करने वालों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है।

महिला नीत विकास को बढ़ावा देने के लिए और प्रयास कर सकता है फिल्म उद्योग : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारतीय फिल्म उद्योग में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास किए जा सकते हैं।

विज्ञान भवन में 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह में मुर्मू ने कहा कि भारतीय सिनेमा दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है क्योंकि यह ''कई भाषाओं और क्षेत्रों'' में फिल्में बनाता है।

मुर्मू ने पुरस्कार प्रदान करने के बाद कहा, ''भारतीय सिनेमा, विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है। अनेक भाषाओं और देश के सभी क्षेत्रों में फिल्में बनायी जा रही हैं। साथ ही, यह सबसे अधिक विविधतापूर्ण कला-क्षेत्र भी है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले 85 लोगों में से केवल 15 महिलाएं हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''आज के कुल पुरस्कार विजेताओं की संख्या 85 से अधिक है, लेकिन महिला पुरस्कार विजेताओं की संख्या केवल 15 है। मैं शिक्षण संस्थानों के कई दीक्षांत समारोहों में जाती हूं। अधिकांश उच्च-शिक्षण संस्थानों में, पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या, छात्रों से अधिक होती है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा ही बदलाव, रोजगार और उद्योग जगत में भी होना चाहिए। फिल्म-उद्योग द्वारा, महिला नीत विकास की दिशा में और अधिक प्रयास किया जा सकता है।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जनमत को सलाम

जल गई जलेबी रस वाली,
हरियाणा में फिर कमल खिला।
जम्मू कश्मीर फिरे मत से,
अब्दुला को फिर हाथ मिला।
एग्जिट पोलों की पोल खुली,
हो गई फतह लुट गया किला।
जनमत को करो सलाम सभी,
छोड़ो शिकवों के संग गिला।।

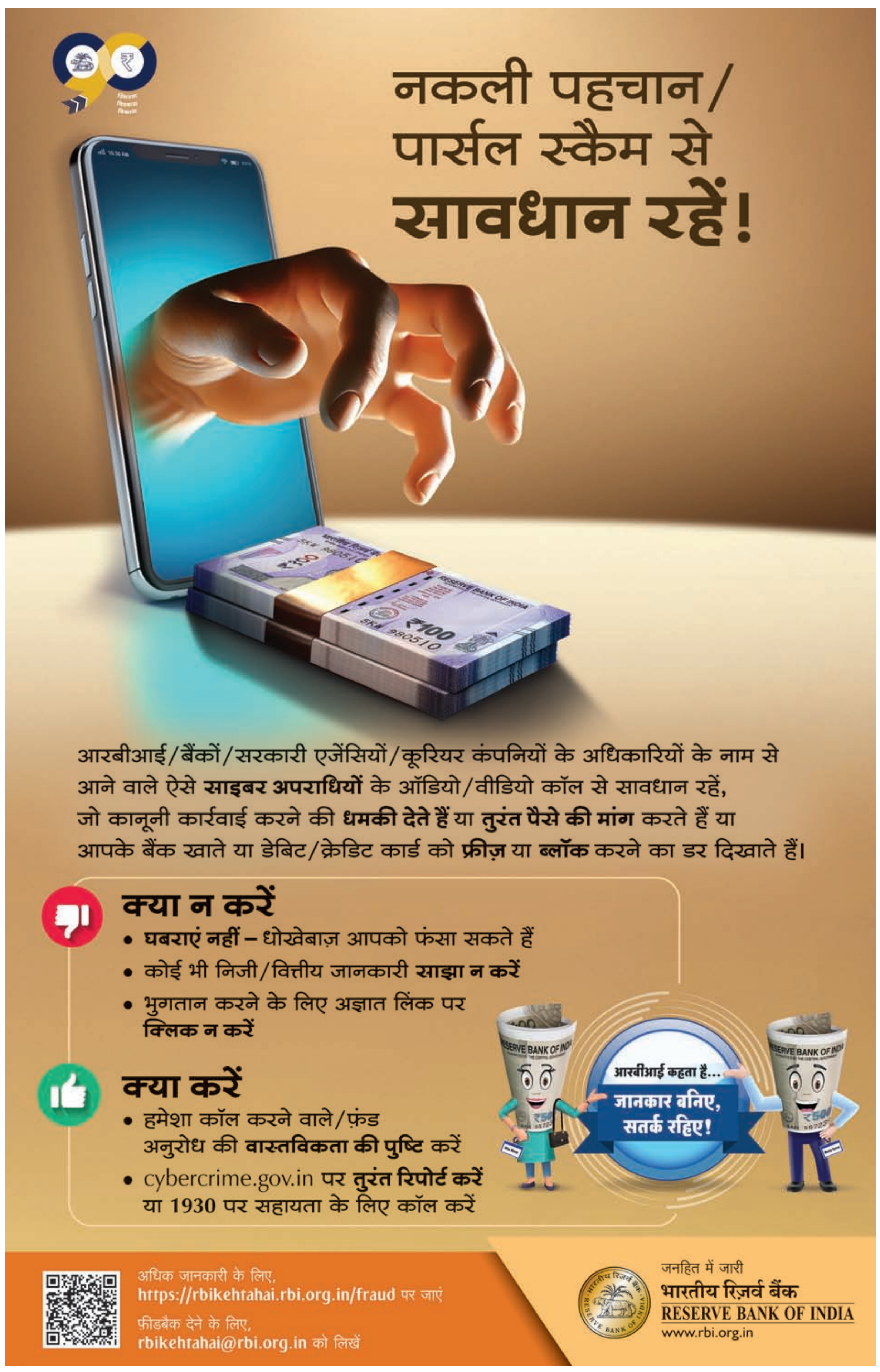

हरियाणा ने कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को नकारा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

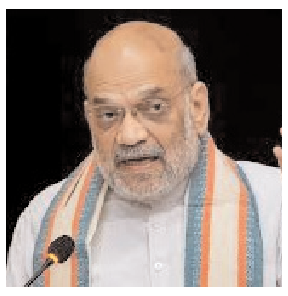

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदर्शन को किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास की जीत करार दिया और कहा कि राज्य की जनता ने जाति व क्षेत्र के आधार पर बांटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकार दिया।

भाजपा ने हरियाणा के इतिहास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 48 सीट पर जीत दर्ज की। इससे पहले, भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में 47 सीट जीतकर पहली बार अपने बूते हरियाणा में सरकार बनाई थी। साल 2019 के चुनाव में उसे 40 सीट मिली थी।

शाह ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, वीरभूमि हरियाणा की जनता को नमन। हरियाणा में भाजपा की यह प्रचंड जीत किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अटूट विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा, वीरभूमि की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बांटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के 10 वर्षों के विकास और गरीब कल्याण के ट्रैक रिकॉर्ड को चुना है।

शाह ने कहा कि पहले लोकसभा चुनाव में और अब हरियाणा में, वोट हासिल करने के लिए 'झूठे और हवाई वादे करने वाली कांग्रेस' को जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है और जमीन पर परिणाम देने वाली भाजपा के साथ जनता चट्टान की तरह खड़ी रही। उन्होंने कहा, अपने वोट बैंक के लिए विदेश में जाकर देश का अपमान करने वालों को किसानों और जवानों की भूमि हरियाणा ने सबक सिखाया है। उन्होंने कहा, चाहे केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी जी का चुनकर आना हो या हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों में बार-बार भाजपा सरकार का बनना, यह दर्शाता है कि भारतीय राजनीति में मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा ने जिस प्रदर्शन की राजनीति के नए युग की शुरुआत की है, उसमें जनता का अटूट विश्वास है।

शाह ने लगातार तीसरी बार भाजपा को प्रदेश की सेवा करने का अवसर देने के लिए हरियाणा की जनता का आभार जताया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार उनकी सभी आकांक्षाओं और आशाओं को पूर्ण करेगी। उन्होंने इस जीत के लिए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली सहित समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

पिछले पांच साल में नेशनल कॉन्फ्रेंस को बर्बाद करने की अनेक कोशिश की गईं : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बडगाम (जम्मू कश्मीर)/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पिछले पांच साल में नए-नए संगठन बनाकर उनकी पार्टी को बर्बाद करने के अनेक प्रयास किए गए लेकिन इस चुनाव में ये संगठन खत्म हो गए।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर ने आज मतगणना में गांदेरबल सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पीडीपी उम्मीदवार को 10,000 से अधिक वोट से हरा दिया है, वहीं बडगाम में उन्हें पीडीपी उम्मीदवार से 18,000 से अधिक वोट से जीत मिली है। उन्होंने बडगाम सीट के निर्वाचन अधिकारी से अपनी जीत का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद संवाददाताओं से कहा, पिछले पांच साल में नेशनल कॉन्फ्रेंस को नष्ट करने की कोशिशें की गईं। यहां कई पार्टियां बनाई गईं, जिनका एकमात्र उद्देश्य नेशनल कॉन्फ्रेंस को नष्ट करना था। लेकिन, भगवान की कृपा हम पर रही और जिन्होंने हमें नष्ट करने की कोशिश की, वे इस प्रक्रिया में खत्म हो गए।

उमर ने कहा, मैं बडगाम की जनता का आभारी हूं जिन्होंने मुझे वोट देकर सफल बनाया और एक बार फिर जम्मू कश्मीर की जनता को सेवा करने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम से पार्टी की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। उमर ने कहा, अब हमारा कर्तव्य है कि हम अपने काम के माध्यम से लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरें और अगले पांच वर्ष तक हमारा यही प्रयास रहेगा। इस शानदार जीत के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस को बधाई देने के लिए उमर ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती का आभार जताया।

भाजपा, केंद्र ने पाक के दुष्प्रचार का कड़ा जवाब दिया : जम्मू-कश्मीर चुनाव पर फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में पाकिस्तान के दुष्प्रचार का कड़ा जवाब दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थिति मजबूत करेंगे।

हरियाणा में भाजपा निर्णायक जनादेश के साथ सत्ता में बनी रहेगी, जबकि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस अपनी सहयोगी कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता में आती दिख रही है।

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, हरियाणा में भाजपा 90 में से 49 सीट पर बढ़त बनाए हुए है और लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाएगी।

आयोग की वेबसाइट के अनुसार, 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए हुए चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है, जबकि भाजपा ने 27 सीट जीती हैं और दो अन्य पर आगे है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अगले महीने होने की संभावना है। फडणवीस ने सोलापुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं हरियाणा राज्य चुनाव के नतीजों पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। हालांकि, भाजपा और केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर चुनावों में पाकिस्तान के दुष्प्रचार का कड़ा जवाब दिया है।

भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष का दुष्प्रचार भी गलत साबित हो गया है, क्योंकि उनमें से कुछ ने यह कहकर लोगों को डराने की कोशिश की थी कि (जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला) अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद सड़कों पर खून-खराबा होगा। उन्होंने कहा, हमने दुनिया को दिखा दिया है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लिया है। यह एक कड़ा संदेश है कि भारत सरकार और भारत का निर्वाचन आयोग वहां निष्पक्ष चुनाव करा सकते हैं। यहां तक कि कई अन्य देशों द्वारा भेजे गए पर्यवेक्षकों ने भी चुनावों की निष्पक्षता देखी है।

उत्तराखंड : हेमकुंड से 15 बीमार पाकिस्तान सिख श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित श्री हेमकुंड साहिब से 15 बीमार पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को मंगलवार को हेलिकॉप्टर की मदद से गोविंदघाट पहुंचाकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने यहां बताया कि ये श्रद्धालु अपने 87 अन्य साथियों के साथ सोमवार को लगभग 16,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा पर आए थे। उन्होंने बताया कि 16 किलोमीटर (किमी) की खड़ी पैदल चढ़ाई पार कर हेमकुंड साहिब पहुंचे इस जत्थे में शामिल 15 श्रद्धालुओं को ऊंचाई और थकान के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने लगीं। पुलिस ने बताया कि चिंताजनक स्थिति होने पर स्थानीय चौकी प्रभारी अमनदीप सिंह ने इन बीमार श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था कर उन्हें गोविंदघाट पहुंचाया। उन्होंने बताया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। हेमकुंड साहिब पहुंचने के लिए बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बदरीनाथ से 18 किलोमीटर पहले गोविन्द घाट से अलग रास्ते पर जाना पड़ता है। गोविंदघाट से पुलना गांव तक सड़क से और फिर वहां से 16 किमी की पैदल यात्रा कर हेमकुंड साबिह पहुंचा जा सकता है। माना जाता है कि इस स्थान पर गुरु गोविन्द सिंह जी ने तपस्या की थी। हेमकुंड साबिह के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं। इस साल 10 अक्टूबर को श्री हेमकुंड साहिब के कपाट बंद होने हैं। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम तक 1.81 लाख से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं।

उत्तराखंड : केदारनाथ मंदिर के कपाट तीन नवंबर को सुबह साढ़े आठ बजे बंद होंगे

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष तीन नवंबर को सुबह साढ़े आठ बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। मंदिर के पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य पदाधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि परंपरा के अनुसार, केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए भाई दूज के अवसर पर तीन नवंबर को बंद कर दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि कपाट सुबह साढ़े आठ बजे बंद होंगे। पदाधिकारी ने बताया कि शीतकाल के दौरान भगवान केदारनाथ के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास स्थल ऊखीमठ के श्री ओंकारेश्वर मंदिर में होंगे। उच्च गढ़वाल क्षेत्र में स्थित केदारनाथ मंदिर सहित चारों धामों के कपाट हर साल अक्टूबर-नवंबर में श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं, जिन्हें अगले वर्ष फिर अप्रैल-मई में खोला जाता है। अन्य तीन धामों में यमुनोत्री के कपाट भैया दूज पर जबकि गंगोत्री के कपाट दीवाली के अगले दिन अन्नकूट पर्व पर शीतकाल के लिए बंद होंगे।

तेलंगाना की मंत्री सुरेखा के खिलाफ बयान दर्ज कराने के लिए अदालत पहुंचे नागार्जुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

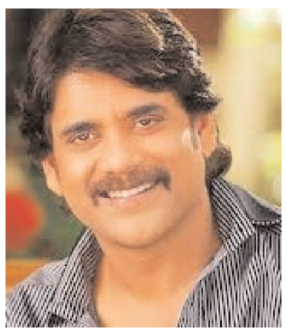

हैदराबाद/भाषा। अभिनेता नागार्जुन अपने बेटे नागा चैतन्य और अभिनेत्री सामंता रुथ प्रभु के तलाक के बारे में टिप्पणियों को लेकर तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ दर्ज अपनी आपराधिक मानहानि की शिकायत के मामले में बयान दर्ज कराने के लिए यहां स्थानीय अदालत में पेश हुए। नागार्जुन के साथ उनकी पत्नी अमाला और बेटे नागा चैतन्य थे और वे दोपहर में यहां नामपल्ली में अदालत में पहुंचे।

नागार्जुन ने सुरेखा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356 के तहत शिकायत दर्ज कराई थी।

सुरेखा ने पिछले हफ्ते यह आरोप लगाकर विवाद खड़ा कर दिया था कि चैतन्य और सामंता के 2021 में हुए तलाक के लिए बीआरएस नेता केटी रामा राव जिम्मेदार थे। वन मंत्री सुरेखा ने नेताओं और तेलुगू सिनेमा जगत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद अपना बयान वापस ले लिया।

सामंता और चैतन्य ने मंत्री के बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि उनका तलाक आपसी सहमति से हुआ था और निजी फैसला था।

नागार्जुन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि मंत्री के बयान से उनके परिवार की साख को आघात पहुंचा है। चैतन्य ने सोशल मीडिया पर शिकायत की एक प्रति साझा की थी।

जम्मू-कश्मीर चुनाव : सात निर्दलीय उम्मीदवार विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में मंगलवार को सात निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। कांग्रेस छोड़कर जम्मू क्षेत्र की छंब सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सतीश शर्मा ने भाजपा उम्मीदवार राजीव शर्मा को 6,929 मतों के अंतर से हराकर चुनाव जीता। पूर्व कांग्रेस मंत्री मदन लाल शर्मा के बेटे सतीश शर्मा को 33,985 वोट मिले। पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार तारा चंद, जिन्होंने तीन बार यह सीट जीती थी, 16,449 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इंदरवाल में निर्दलीय उम्मीदवार प्यारेलाल शर्मा ने वरिष्ठ नेता गुलाम मोहम्मद सरूरी को 643 मतों के मामूली अंतर से शिकस्त दी। शर्मा को 14,195 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे सरूरी को 13,552 मत प्राप्त हुए। बनी में निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. रामेश्वर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और पूर्व विधायक जीवन लाल को 2,048 मतों से हराया। सिंह को 18,672 वोट मिले जबकि लाल को 16,624 प्राप्त हुए। सुरनकोट विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बागी नेता चौधरी मोहम्मद अकरम ने कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद शाहनवाज को 8,851 मतों के अंतर से हराया। अकरम को 34,201 वोट मिले। निर्दलीय उम्मीदवार मुजफ्फर इकबाल खान ने भाजपा उम्मीदवार मोहम्मद इकबाल मलिक को 6,179 वोटों के अंतर से हराकर थानामंडी सीट जीती। खान को 32,645 वोट मिले। लंगेट विस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार खुर्शीद अहमद शेख ने 25,984 वोट हासिल किए और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के इरफान सुल्तान पंडितपुरी को 1,602 वोटों के अंतर से हराया।

सूरत में 35 लाख रुपए की मेफेड्रोन जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में पुलिस ने 35 लाख रुपए मूल्य की मेफेड्रोन (एमडी) जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने मेफेड्रोन (एमडी) को मुंबई के एक आपूर्तिकर्ता से खरीदा था, ताकि वह इसे गुजरात के सूरत शहर में लोगों को बेच सके।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि शहर के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने आसिफ शेख को एक सार्वजनिक स्थान से पकड़ा और उसके पास से 352 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह बेरोजगार है और उसने मादक पदार्थ बेचकर जीवन यापन करने का निर्णय लिया था। विज्ञप्ति में है कि वह मुंबई के एक आपूर्तिकर्ता के संपर्क में आया, जिसने उसे मेफेड्रोन (मादक पदार्थ) मुहैया कराई। आरोपी हाल ही में तस्करी किए गए मादक पदार्थ की डिलीवरी लेने के लिए मुंबई गया और उसे सूरत ले आया। एसओजी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जैसे अभी चल रहा है, वो नहीं चलेगा, पार्टी नेतृत्व को जिम्मेदार लोगों की पहचान करनी होगी : सैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार को निराशाजनक करार दिया और कहा कि पार्टी नेतृत्व को उन लोगों की पहचान करनी चाहिए, जो इन नतीजों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में अब कांग्रेस को नए सिरे से सोचना होगा और जैसे अभी चल रहा है, वो अब नहीं चलेगा।

सिरसा से लोकसभा सदस्य सैलजा ने यहां संवाददाताओं से कहा, नतीजे निराशाजनक हैं। हमारे कार्यकर्ता बहुत निराश हैं, क्योंकि उन्होंने पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया है। उन्होंने कहा, अब नए सिरे से आगे सोचना होगा, क्योंकि जो अभी चल रहा है, वो तो अब नहीं चलेगा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिद्वंद्वी मानी जा रहीं सैलजा ने कहा, कहां हमारी कमियां रहीं हैं, क्या कमियां रही हैं, इसको हमें देखना होगा। कौन जिम्मेदार रहे, पार्टी को प्रदेश में सींचा नहीं गया, तालमेल नहीं रखा गया, कौन लोग हैं जिन पर सबको साथ लेकर चलने और संतुलन बनाने के लिए जिम्मेदारी थी, प्रदेश में क्या संदेश गया, क्यों लोग कांग्रेस की सरकार बनाते-बनाते पीछे हट गए, इस बारे में हमें देखना होगा।

उनके मुताबिक, इस बारे में भी विचार करना होगा कि इसके क्या कारण थे कि राहुल गांधी द्वारा बनाए गए माहौल को खत्म कर दिया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि कांग्रेस आलाकमान उन सभी पहलुओं पर गौर करेगा, जिनके कारण ऐसे नतीजे आए और इन नतीजों के लिए जिम्मेदार लोगों और कारणों की पहचान करेगा।

चुनाव जीतने के लिए कचरा संग्रहण, शहर की सफाई को प्राथमिकता दें : केजरीवाल ने आप पार्षदों से कहा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में अपनी पार्टी के पार्षदों से आग्रह किया कि वे आंतरिक झगड़ों में उलझने के बजाय कचरा संग्रहण और शहर की सफाई को प्राथमिकता दें।

आप के सूत्रों ने बताया कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के कुछ पार्षद दिल्ली विधानसभा चुनाव में विधायक पद के लिए चुनाव लड़ना चाहते हैं, जिससे मौजूदा विधायकों के साथ टकराव की स्थिति पैदा हो रही है। हाल ही में आप के कई पार्षद भी पार्टी छोड़कर विपक्षी भाजपा में शामिल हो गए हैं। आप के निगम पार्षदों की एक सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने विश्वास जताया कि अगर वे अपने-अपने वार्ड में सफाई बनाए रखेंगे तो उनकी पार्टी फरवरी में होने वाले आगामी चुनाव में जीत हासिल करेगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आप पार्षद पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस चुनाव में आप अहम भूमिका निभाएंगे। हम एमसीडी में हैं और जनता हमसे शहर को साफ रखने की उम्मीद करती है। अपने-अपने इलाकों में रोजाना कूड़ा उठाने और सफाई सुनिश्चित करने के लिए चक्कर लगाएं। अगर हम इतना कर पाए तो मुझे उम्मीद है कि हम चुनाव जीत जाएंगे। हमारा एकमात्र लक्ष्य जीतना होना चाहिए और हम सभी को मिलकर काम करना होगा। केजरीवाल ने पार्षदों को अति आत्मविश्वास से बचने के प्रति भी आगाह किया और हर चुनाव को गंभीरता से लेने के महत्व पर जोर दिया। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन की ओर परोक्ष तौर पर इशारा करते हुए केजरीवाल ने किसी का नाम लिए बिना कहा, (दिल्ली विधानसभा) चुनाव नजदीक हैं। सबसे पहली बात यह ध्यान में रखनी चाहिए कि किसी भी चुनाव को हल्के में न लें। आज के चुनाव परिणाम बताते हैं कि किसी को अति आत्मविश्वास नहीं होना चाहिए। हर चुनाव कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। आपस में नहीं लडें। हमें चुनाव पर ध्यान केंद्रित करने और साथ मिलकर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने पार्षदों को पार्टी को विभाजित करने के उद्देश्य से विपक्ष की रणनीति का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया और पार्टी के कई नेताओं की गिरफ्तारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद उन्हें प्रेरित रहने का आग्रह किया।

हरियाणा चुनाव : मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर पाए कांग्रेस के मुद्दे

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जहां हरियाणा में सत्ता में कायम रहती दिख रही है, वहीं कांग्रेस का चुनाव अभियान, जो बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा और अग्निपथ योजना सहित विभिन्न मुद्दों पर आधारित था, अधिकांश मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रहा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का जोरदार प्रचार अभियान भी पार्टी को अपेक्षित परिणाम नहीं दिला सका। कांग्रेस इस चुनाव में भाजपा से एक दशक के बाद सत्ता पाने के लिए प्रयास कर रही थी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आज हो रही मतगणना के अब तक के रुझानों से स्पष्ट है कि भाजपा बहुमत के आंकड़े को पार कर रही है। वह 51 सीट पर आगे है, वहीं कांग्रेस 34 पर आगे है। कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान में बेरोजगारी, किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग, अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना और महंगाई जैसे मुद्दे उठाकर राज्य में भाजपा की एक दशक पुरानी सरकार पर निशाना साधा था। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सरकारी नौकरियां देने तथा हरियाणा के रहने वाले अग्निवीर को गारंटी वाली और पेंशन वाली नौकरी देने का वादा करके कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया। भाजपा ने आरोप लगाया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा की 10 साल की सरकार के दौरान सरकारी नौकरियों में 'खर्ची और पर्ची' चलती थी। उसने हरियाणा में 24 फसलों पर एमएसपी दिए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि यह ऐसा करने वाला पहला राज्य है।

कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने चुनावी मैदान में दी सबको पटखनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद (हरियाणा)/भाषा। कांग्रेस उम्मीदवार और पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को हरियाणा की जुलाना विधानसभा सीट से अपनी पहली चुनावी जीत को 'संघर्ष की जीत' और 'सत्य की जीत' बताया।

ओलंपिक खिलाड़ी एवं पहलवान विनेश फोगाट ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के रण में सबको पटखनी देते हुए जीत हासिल की है। फोगाट ने मंगलवार को हरियाणा में जुलाना विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव जीत लिया और भाजपा के योगेश कुमार को 6,015 मतों के अंतर से हराया। ओलंपिक में पदक से चूकने के बाद भारत लौटने पर विनेश ने खेल से सन्यास लेने का ऐलान कर राजनीति का दामन थाम लिया। विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही विनेश कांग्रेस में शामिल हुईं और पार्टी ने जुलाना से उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया। जुलाना विनेश फोगाट का ससुराल है। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना मंगलवार को सुबह आठ बजे शुरू हुई। कभी अपने प्रतिद्वन्द्वी से आगे और कभी पीछे हुईं विनेश को कुल 65,080 मत हासिल हुए, वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के योगेश को 59,065 मत मिले। आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी कविता दलाल केवल 1,280 मत ही हासिल कर सकीं और उनकी जमानत जब्त हो गई। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी डॉ. सुरेंद्र लाठर ने 10,152 मत हासिल किए और जननायक जनता पार्टी (जजपा) से विधायक रहे अमरजीत ढांडा केवल 2,477 मत हासिल कर सके। चुनाव परिणाम के बाद पत्रकारों से फोगाट (30) ने कहा, यह संघर्ष की जीत है और सत्य की जीत है। उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा लोगों का विश्वास और प्यार बनाए रखूंगी।

जम्मू कश्मीर चुनाव में इंजीनियर रशीद की एआईपी, जमात-ए-इस्लामी कोई असर छोड़ने में नाकाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में विधानसभा चुनाव के नतीजों में अलगाववादी उम्मीदवारों की बड़ी हार हुई है, जिनमें इंजीनियर रशीद के नेतृत्व वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार भी शामिल हैं, जो चुनावों में कोई बड़ा प्रभाव डालने में विफल रहे।

कुलगाम से जमात-ए-इस्लामी के 'प्रॉक्सी' उम्मीदवार सयार अहमद रेशी और लंगेट से चुनाव लड़ रहे शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के भाई खुर्शीद अहमद शेख का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। कुलगाम में रेशी को हार का सामना करना पड़ा, वहीं खुर्शीद अहमद शेख ने लंगेट से जीत हासिल की। उनके प्रयासों के बावजूद, इन समूहों से जुड़े अधिकतर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, जो मतदाताओं की स्पष्ट अस्वीकृति को दर्शाता है। अफजल गुरु के भाई ऐजाज अहमद गुरु को सोपोर विधानसभा सीट पर करारी हार का सामना करना पड़ा, उन्हें मात्र 129 वोट मिले जो 'इनमें से कोई नहीं' (नोटा) विकल्प के लिए डाले गए 341 वोटों से काफी कम है। इंजीनियर रशीद की एआईपी ने 44 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। हालांकि, एआईपी प्रवक्ता फिरदौस बाबा और कारोबारी शेख आशिक हुसैन सहित प्रमुख चेहरे चुनावी मुकाबले में नाकाम रहे और कई की जमानत भी जब्त हो गई। जमात-ए-इस्लामी ने चार उम्मीदवार उतारे थे और चार अन्य का समर्थन किया था, लेकिन रेशी के अलावा, सभी न्यूनतम समर्थन भी हासिल करने में असफल रहे। निराशाजनक परिणामों के बावजूद, आशावादी दृष्टिकोण अपनाए रेशी ने कहा, यह प्रक्रिया की शुरुआत है।

ताम्बरम और कोयम्बटूर के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दुर्गा पूजा, दिवाली और आगामी त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ताम्बरम–कोयम्बटूर सेक्टरों में विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी।

ट्रेन संख्या 06184 ताम्बरम–कोयम्बटूर साप्ताहिक त्यौहार स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार 11 , 18 , 25 अक्टूबर, 01 , 08 , 15 , 22 , 29 नवंबर को 18.00 बजे ताम्बरम से रवाना होगी और अगले दिन 08.10 बजे कोयम्बटूर पहुंचेगी। इस ट्रेन की आठ सेवाएं चलेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06185 कोयंबटूर–तांबरम साप्ताहिक त्यौहार स्पेशल प्रत्येक रविवार को 13 , 20 , 27 अक्टूबर, 03 , 10 , 17 , 24 नवंबर, 01 दिसंबर को 23.45 बजे कोयंबटूर से रवाना होगी और अगले दिन 12.30 बजे तांबरम पहुंचेगी। इस ट्रेन में 1–एसी टू टियर कोच, 2–एसी थ्री टियर कोच, 12–स्लीपर क्लास कोच, 3–सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2–द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

तमिलनाडु सरकार का सैमसंग इंडिया के आंदोलनकारी कर्मचारियों से तुरंत काम पर लौटने का आग्रह

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स कारखाने के आंदोलनकारी श्रमिकों से अन्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तत्काल काम पर लौटने का मंगलवार को आग्रह किया। उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने मुद्दों को सुलझाने के लिए पिछले दो दिन में प्रबंधन और श्रमिकों के साथ अलग–अलग बातचीत की है।

राजा ने कहा कि क्या कर्मचारियों द्वारा केवल इसलिए अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखना उचित है क्योंकि वे सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स' (सीआईटीयू) समर्थित यूनियन का श्रम विभाग द्वारा पंजीकरण नहीं करा पाए हैं। राजा ने कहा, हम सभी जानते हैं कि संघ मान्यता का मुद्दा विचाराधीन है। हम अभी इसपर चर्चा नहीं कर सकते। सरकार आपके साथ है, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन आपके साथ हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए तुरंत काम पर लौट जाना चाहिए। वेतन संशोधन, बेहतर कार्य स्थितियों और सीटू समर्थित यूनियन को मान्यता देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सैमसंग इंडिया के कुल 1,750 कर्मचारियों में से 1,100 कर्मचारी नौ सितंबर से श्रीपेरम्बदूर में हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा, ''जब हमने कारखाने में काम कर रहे कर्मचारियों से मुलाकात की तो उन्होंने जारी हड़ताल के कारण अपनी नौकरी खोने की आशंका जाहिर की।''

तमिलनाडु मंत्रिमंडल ने 38,698 करोड़ रुपये के 14 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विभिन्न कंपनियों के 38,698.80 करोड़ रुपये के 14 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। वित्त मंत्री तंगम तेन्नारासु ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। यहां सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक में भाग लेने के बाद मंत्री ने कहा कि नए निवेश से लगभग 46,931 नए रोजगार सृजित होने की संभावना है।

निवेश प्रस्ताव वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, हरित ऊर्जा, दूरसंचार उपकरण और उन्नत विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों के हैं। नई परियोजनाएं 12 जिलों में आने वाली हैं। इसमें रानीपेट जिले में टाटा मोटर्स की कार और स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन विनिर्माण सुविधा शामिल है, जिस पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे 5,000 नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप, जिसे फॉक्सकॉन के नाम से जाना जाता है, अपनी समूह फर्म के माध्यम से 13,180 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है, जिससे कांचीपुरम में इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण सुविधा के लिए 14,000 नौकरियां पैदा होंगी।

लीफ ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने तिरुनेलवेली जिले में एक हरित हाइड्रोजन इकाई स्थापित करने के लिए 10,375 करोड़ रुपये का निवेश निर्धारित किया है, जिससे क्षेत्र में 3,000 नौकरियां पैदा होंगी। ताइवान स्थित किंग शूज ने अरियालुर जिले में एक गैर–चमड़े के फुटवियर कारखाने की स्थापना के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि तमिलनाडु में इस तरह के निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियाँ और औद्योगिक उत्पादन भी बढ़ रहा है।

भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार 150 दिनों के भीतर गिर जाएगी : तमिलनाडु कांग्रेस नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ईवीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार 150 दिनों से अधिक नहीं चलेगी। इरोड विधानसभा क्षेत्र से विधायक एलंगोवन ने कहा, एग्जिट पोल को छोड़ दें, तो यह सच है कि कांग्रेस हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में अगली सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हरियाणा में भारी अंतर से जीतेगी, साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में भाजपा का कोई विधायक नहीं होगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने दावा किया कि, भाजपा जम्मू–कश्मीर में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तमिलनाडु को कोई राहत राशि नहीं दे रही है, जबकि जीएसटी के रूप में राज्य से करोड़ों रुपये इकट्ठा किए गए हैं।

एलंगोवन ने आरोप लगाया कि जब भी तमिलनाडु राहत राशि की मांग करता है, तो केंद्र सरकार ऐसे व्यवहार करती है जैसे पैसा उनकी जेब से भेजा जा रहा हो। केंद्र सरकार के दिल में तमिलनाडु और यहां के लोगों के लिए कोई मानवता नहीं है।

तमिलनाडु में कांग्रेस डीएमके के साथ गठबंधन में है और 234 सदस्यीय विधानसभा में उसके 18 विधायक हैं। हालांकि, एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली कैबिनेट में पार्टी का कोई सदस्य नहीं है। तमिलनाडु से कांग्रेस के नौ लोकसभा सदस्य भी हैं।

कोझिकोड में बस हादसे में एक की मौत, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड में करीब 50 यात्रियों को ले जा रही कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस मंगलवार को थिरुवंबाडी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बस सड़क किनारे एक दीवार से टकराई और पास की एक नदी में पलट गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब दो बजे हुई और सभी घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

यूडीएफ की युवा इकाई ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी में विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के घटक दलों की युवा इकाईयों ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से, मलप्पुरम से संबंधित उनके बयानों और कुछ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के आरएसएस से कथित संबंधों को लेकर इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। पुलिस ने सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को राज्य विधानसभा परिसर के करीब पहुंचने से रोकने के लिए अवरोधक लगाए तथा उन्हें तितर–बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए लेकिन निशाना चूक गया। युवक कांग्रेस, यूथ लीग और आरवाईएफ के कार्यकर्ताओं समेत प्रदर्शनकारियों ने विरोध जारी रखा। उन्होंने पुलिस पर लाठियां और अन्य सामान फेंके और अवरोधकों को गिराने का प्रयास किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर यातायात जाम कर दिया। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

केरल सरकार ने केंद्र से वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए सहायता में तेजी लाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को बताया कि वायनाड जिले के चूरलमाला और मुंडक्कई में हुए विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए मांगी गई सहायता राशि केंद्र सरकार ने अब तक प्रदान नहीं की है। राज्य के वायनाड जिले में 30 जुलाई को विनाशकारी भूस्खलन हुआ था। विजयन ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से यथाशीघ्र विशेष वित्तीय सहायता जारी करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

नियम 300 के तहत जारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष में अतिरिक्त सहायता के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी आगे की सहायता के लिए सीधी अपील की गई है। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न क्षेत्रों में अनुमानित नुकसान 1,200 करोड़ रुपये से अधिक है और इन अनुमानों के आधार पर अतिरिक्त सहायता के लिए केंद्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है। विजयन ने कहा, विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया जा चुका है, लेकिन आपदा राहत के तहत आवश्यक विशेष वित्तीय सहायता राज्य को अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए, तीन अक्टूबर को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में केंद्र सरकार से यथाशीघ्र विशेष वित्तीय सहायता जारी करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''भूस्खलन से मलबा पुन्नापुझा नदी के माध्यम से आठ किलोमीटर की दूरी तक बह गया। पर्वतीय क्षेत्रों में खड़ी ढलान ने भूस्खलन के कारण मलबे के प्रवाह की तीव्रता को बढ़ा दिया। अनुमान है कि मलबा 100.8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ा।'' उन्होंने बताया कि पुन्नापुझा नदी की चौड़ाई मूल रूप से 20 से 40 मीटर के बीच थी, लेकिन भूस्खलन के कारण यह बढ़कर 200 से 300 मीटर तक हो गई और पुंचिरिमट्टम, मुंडक्कई, चूरलमाला और अट्टामला के इलाके तबाह हो गए।

विजयन ने कहा कि मलप्पुरम में आपदा क्षेत्र और चालियार नदी से कुल 231 शव और 222 मानव अंग बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इस त्रासदी में 17 परिवारों के 58 लोगों की जान चली गई।

इंडोस्पेस की तमिलनाडु में लॉजिस्टिक्स व वेयरहाउस पार्कों में 4,500 करोड़ रुपये तक का निवेश बढ़ाने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

INDOSPACE

चेन्नई/मुंबई। लॉजिस्टिक्स पार्क परिचालक इंडोस्पेस की योजना तमिलनाडु में नए लॉजिस्टिक्स तथा वेयरहाउस पार्कों में 4,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विनिर्माण क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करना है। कंपनी बयान के अनुसार, इंडोस्पेस ने तमिलनाडु में नए लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस पार्कों में अपने निवेश को 4,500 करोड़ रुपये तक बढ़ाने की योजना की घोषणा की है। ये पार्क राज्य में मोटर वाहन और इलेक्ट्रॉनिक जैसे बढ़ते विनिर्माण क्षेत्रों का समर्थन करेंगे।

इंडोस्पेस ने कहा, इस निवेश से 8,000 से अधिक नए रोजगार सृजित होने के अलावा आर्थिक वृद्धि में तेजी आने तथा राज्य के पहले से ही विश्वसनीय औद्योगिक बुनियादी ढांचे के और मजबूत होने की उम्मीद है। इंडोस्पेस ने पिछले साल तमिलनाडु सरकार के साथ राज्य के लॉजिस्टिक्स उद्योग में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

एवरस्टोन ग्रुप के उपाध्यक्ष (रियल एस्टेट) राजेश जग्गी ने कहा, ''तमिलनाडु सरकार के साथ हाल ही में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन सहित हमारे मौजूदा निवेश, वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में राज्य की क्षमता में हमारे दृढ़ विश्वास को दर्शाती हैं।''

आइए, हम अधिक सक्षम और पूर्ण आत्मनिर्भर वायुसेना की दिशा में प्रयास जारी रखें : वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने मंगलवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) से वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे पुनः संगठित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वैश्विक सुरक्षा का माहौल लगातार बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्षों ने एक मजबूत और सक्षम वायुसेना की आवश्यकता को दर्शाया है। इसलिए, भारतीय वायुसेना को हमारे राष्ट्रीय हितों को चुनौती देने वाली किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

भारतीय वायुसेना के 92वें वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर यहां के निकट ताम्बरम स्थित वायुसेना स्टेशन पर परेड की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा, नवोन्मेष और लीक से हटकर सोच के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाना, आज के बहु–क्षेत्रीय वातावरण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। सिंह ने कहा कि पिछले साल वायुसेना ने परिचालन की क्षमताओं को मजबूत करने, अपने पेशेवर रुख को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की और निरंतर विकसित होते चुनौतीपूर्ण आधुनिक युद्ध को लेकर खुद को उसके अनुकूल ढालने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि वायुसेना दिवस पूर्व और वर्तमान के वायुसेना योद्धओं के 'साहस' और 'शौर्य' को सम्मान देने, अपना जीवन बलिदान करने वालों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है।

सिंह ने कहा, ''हम राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को एक बार फिर समर्पित करते हैं। हमें पिछले वर्षों का आत्म अवलोकन भी करना चाहिए। अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए, उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए जहां हम कम पड़ गए। हमें उनसे सबक सीखना चाहिए और वर्तमान तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को तैयार करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''वैश्विक सुरक्षा का माहौल लगातार बदल रहा है। मौजूदा संघर्ष एक मजबूत एवं सक्षम वायुसेना की आवश्यकता को दर्शाते हैं। इसलिए वायु सेना को हमारे राष्ट्रीय हितों को चुनौती देने वाली किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।'' इस साल के वार्षिक दिवस के विषय – ''भारतीय वायु सेना : सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर'' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, यह हमारी आकांक्षाओं का सटीक वर्णन करता है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हम बेहतर प्रौद्योगिकी के साथ अधिक सशक्त हुए हैं और अपनी प्रणाली एवं हथियारों के परिचालन उपयोग के नए स्तर हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछला साल काफी व्यस्तता भरा था और वायुसेना ने विभिन्न मोर्चों पर अपनी क्षमता साबित की।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 2024 में वायुसेना ने मित्र देशों की वायु सेनाओं के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों में अपनी भागीदारी का विस्तार किया। उन्होंने कहा, हमने 61 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की धरती पर सबसे बड़ा बहु–राष्ट्रीय अभ्यास 'तरंग शक्ति' भी आयोजित किया जिसमें 30 से अधिक देशों की वायु सेनाओं ने भाग लिया। 'तरंग शक्ति' का पहला चरण तमिलनाडु के सुलूर में जबकि दूसरा चरण अगस्त और सितंबर के महीने में राजस्थान के जोधपुर में आयोजित हुआ था। 'तरंग शक्ति' को सबसे बड़ा बहुपक्षीय हवाई अभ्यास'' बताया गया जिसमें देश की रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया गया तथा भाग लेने वाली सेनाओं को अंतर–संचालन को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

सिंह ने कहा कि तरंग शक्ति अभ्यास के दौरान अभ्यास की समग्र व्यवस्था और संचालन की 'काफी प्रशंसा' की गई और यह वायु सेना योद्धाओं की क्षमता और 'पेशेवर' अंदाज का प्रमाण है। सिंह ने कहा, ''हम भारत और विदेश में मानवीय सहायता और आपदा राहत के किसी भी मामले में हमेशा सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले रहे हैं। पिछले एक साल में वायुसेना को कई स्थानों पर बाढ़ राहत प्रदान करने जबकि कुछ अन्य स्थानों पर जंगल की आग को बुझाने में मदद के लिए बुलाया गया।'' उन्होंने कहा कि वायुसेना ने सीमा से परे जाकर कई देशों में राहत एवं निकासी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, इस साल मार्च में व्यापारिक जहाज एमवी रुएन का बचाव हमारी रणनीतिक पहुंच और कौशल का प्रदर्शन था। सिंह ने कहा कि अपने कर्मियों और उनके परिवारों का कल्याण तथा खुशहाली वायुसेना के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता'' का विषय है। उन्होंने कहा, वायुसेना सभी को अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एयर चीफ मार्शल ने पिछले साल की उपलब्धियों के बारे में कहा, हमारा प्राथमिक उद्देश्य समय पर हथियारों की आपूर्ति करना है और इस क्षमता को फरवरी 2024 में पोखरण रेंज में वायु शक्ति' अभ्यास के दौरान प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने इस अवसर पर शानदार परेड के लिए अधिकारियों को बधाई दी। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान भी उपस्थित रहे।

समारोह में वायु शक्ति और एएलएच एमके–4, सी–295 परिवहन विमान, आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली, एचटीटी–40 और रोहिणी रडार जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का शानदार प्रदर्शन किया गया। तेजस हल्के लड़ाकू विमान, सुखोई–30 एमकेआई और पिलाटस समेत विभिन्न विमानों ने हवा में करतब दिखाए। सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर टीम ने अपने रोमांचक प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

चेन्नई में परेड ग्राउंड पर वायुसेना के तीन कर्मी बेहोश हुए

चेन्नई। वायुसेना के तीन कर्मी मंगलवार को यहां वायुसेना स्टेशन तांबरम में सालगिरह परेड में हिस्सा लेने के दौरान संभवत: अत्यधिक थकान के कारण बेहोश हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। ये जवान वायुसेना की 92वीं सालगिरह के जश्न के तहत मार्च पास्ट के लिए परेड ग्राउंड पर एकत्रित टुकड़ी का हिस्सा थे। तीनों जवान मार्च पास्ट के लिए इकट्ठा होने के कुछ ही देर बाद बेहोश हो गए। जवानों को प्राथमिक उपचार दिया गया। अधिकारी ने बताया कि तीनों जवानों की हालत स्थिर है। जैसे ही वे बेहोश हुए, और उनके हाथ में पकड़ी राइफलें भी जमीन पर गिर पड़ीं, बाहर मौजूद वायुसेना के अन्य कर्मी उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाने के लिए दौड़े। जिस टुकड़ी का वे प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उसकी पंक्ति में उनका स्थान तुरंत उनके सहकर्मियों ने ले लिया। इस अवसर पर मार्च पास्ट का निरीक्षण करने के लिए मौजूद वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शानदार रस्मी परेड के लिए अधिकारियों को बधाई दी।

हरियाणा में भाजपा की जीत, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने जलेबी बनाकर मनाया जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। रुझानों में भाजपा ने बहुमत के आंकड़ों को पार कर लिया है। इस अवसर पर राजस्थान के जयपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जश्न मनाया। सीएम भजनलाल शर्मा ने भाजपा की जीत की खुशी के मौके पर जलेबी बनाकर लोगों का आभार व्यक्त किया। सीएम ने हरियाणा की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और सीएम नायब सिंह सैनी के प्रति हरियाणा की जनता के अडिग समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। पार्टी अपने वादों पर खरी उतरेगी।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पीएम मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बात पर मुहर लगाया है। हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की उस बात पर मुहर लगाई है कि हम जो कहते हैं वो करते हैं। कांग्रेस झूठ का सहारा लेती है। आने वाले समय में जहां भी चुनाव होंगे, भाजपा बहुत बड़े बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा दौरे के दौरान मैंने यह भविष्यवाणी की थी कि हम जीत का हैट्रिक बनाएंगे। जबकि कांग्रेस झूठी अफवाह फैलाने में लगी है, लोगों ने भाजपा के पक्ष में निर्णायक प्रतिक्रिया दी है। भाजपा केवल एक और विजय के लिए तैयार नहीं है, बल्कि हम राष्ट्रीय स्तर पर चौथी बार सत्ता में आने का भी आत्मविश्वास रखते हैं।

बता दें कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं। हरियाणा में जहां भाजपा को बहुमत मिलता नजर आ रहा है, तो वहीं, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस बहुमत की ओर अग्रसर है। हालांकि, सटीक नतीजे के लिए हमें फिलहाल इंतजार करना होगा।

महिला आईपीएस की मोबाइल फोन 'लोकेशन' देख रहे सात पुलिसकर्मी निलंबित

जयपुर। राजस्थान में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी की मोबाइल फोन 'लोकेशन' पर नजर रखने के आरोप में एक उपनिरीक्षक समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मैत्रेयी 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं और फिलहाल भिवाड़ी में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात हैं।

मैत्रेयी ने बताया, मुझे सूचना मिली कि भिवाड़ी साइबर पुलिस के कर्मचारी मेरी मोबाइल 'लोकेशन' पर नजर रख रहे हैं। मामले की जांच की गई और मामला सही पाए जाने पर उपनिरीक्षक समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच पुलिस मुख्यालय करेगा। अधिकारी ने बताया कि साइबर सेल प्रभारी पुलिस उपनिरीक्षक श्रवण जोशी, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार, कांस्टेबल राहुल, सतीश, दीपक, भीम और रोहिताश को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारी ने इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस मुख्यालय को दे दी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ये सभी आरोपी पुलिसकर्मी पुलिस विभाग की साइबर सेल के जरिए भिवाड़ी की पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी की 'फोन लोकेशन' पर नजर रख रहे थे। पुलिस मुख्यालय ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। मैत्रेयी मध्यप्रदेश के गुना की रहने वाली हैं और उन्होंने 2017 में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

आमजन को जमीन से जुड़े प्रकरणों में मिले त्वरित न्याय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएं ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट ऑथोरिटी की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए इसके सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरुद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि पर्यटन एवं एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश प्रदान किए, ताकि वर्तमान में मिल रही कन्वर्जन छूट का दुरूपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन के लिए एक लैण्ड बैंक स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल (आरएएलएएमएस) पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लैण्ड कन्वर्जन पोर्टल संचालित किए जा रहे हैं। लैण्ड कन्वर्जन पोर्टल पर वर्तमान में (1 अप्रैल 2024 से 7 अक्टूबर 2024) भू-संपरिवर्तन के प्रकरणों का निस्तारण समय 16 दिवस है, जो कि 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक 35 दिन था। उन्होंने राजस्व मण्डल एवं कर बोर्ड के एकीकरण, डीआईएलआरएमपी के अन्तर्गत राजस्व रिकॉर्ड के कम्प्यूटरीकरण की स्थिति, मॉर्डन रिकॉर्ड रूम, राजस्थान रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में आवंटन आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक ऐप के माध्यम से किसानों द्वारा स्वयं ही गिरदावरी की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को इस ऐप से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने निर्देश प्रदान किए। विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रदेश में पटवारियों द्वारा भी ऐप के माध्यम से ई-गिरदावरी की जा रही है। खरीफ वर्ष 2024 की 83.75 प्रतिशत गिरदावरी भी हो चुकी है।

जयपुर, अलवर, जोधपुर एवं बाड़मेर में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज 10 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के 4 जिलों जयपुर, अलवर, जोधपुर एवं बाड़मेर में केमिकल (इंडस्ट्रियल) डिजास्टर की राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आगामी 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इस मॉक एक्सरसाइज से पूर्व मंगलवार को शासन सचिवालय में टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र व राज्य सरकार के स्टेकहोल्डर्स के बीच समन्वय, एक्सरसाइज तैयारियों का मूल्यांकन, उनके कर्तव्यों के बारे में स्पष्टता एवं इंसिडेंट रेस्पोंस सिस्टम के बारे में जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (रि.) ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक हकीकत है जिससे सम्पूर्ण पृथ्वी प्रभावित हो रही है। तेज़ी से बढ़ते औद्योगिकीकरण से भारत में भी केमिकल डिजास्टर जैसी आपदाओं की संभावनाए बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन आपदाओं से बचाव के लिए केंद्र व राज्य के सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स को तैयार रहना होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता है कि देश में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विनिर्माण के साथ आपदाओं से निपटने की भी प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश गैस, पेट्रोलियम, केमिकल, खनिज आदि सम्पदा से परिपूर्ण है लेकिन यहाँ जलवायु, हीटवेव, बाढ़, वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण केमिकल डिजास्टर का खतरा बना रहता है। इसलिए राज्य को इन आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, ड्रोन जैसी तकनीकों को विकसित करने के साथ विद्यालयों, अस्पतालों में भी जागरूकता पर कार्य करने की आवश्यकता है। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद कुमार ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में केमिकल डिजास्टर की कई घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं को रोकने के लिए घटित आपदाओं के कारणों की समीक्षा कर विस्तृत कार्ययोजना के तहत मॉक एक्सरसाइज की जा रही है। उन्होंने बताया कि जयपुर में गेल इंडिया लिमिटेड राजावास, बाड़मेर में वेदांता लिमिटेड, अलवर में लॉर्ड्स क्लोरो अल्कली लिमिटेड (मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया) और जोधपुर में उमा पोलिमर्स में यह मॉक एक्सरसाइज होगी। इसके लिए सम्बंधित विभागों की जिम्मेदारियां सुनिश्चित की गयी हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सीनियर कंसलटेंट ब्रिगेडियर रवीन्द्र गुरंग (रि.) ने टेबल टॉप एक्सरसाइज का प्रस्तुतिकरण दिया। आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त सचिव श्री भगवंत सिंह ने लेफ्टिनेंट जनरल सैयद को इस मॉक के आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में वित्त, पीडब्लूडी, पीएचइडी, स्वायत्त शासन, उद्योग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवहन, फैक्ट्री एवं बॉयलर्स, पुलिस, गृह, बिजली, श्रम, प्रदूषण नियंत्रण, कारखाना एवं बॉयलर्स आदि विभागों के अधिकारी तथा भारतीय सेना, उ. प. रेलवे, भारत संचार निगम लिमिटेड, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही जयपुर, अलवर, बाड़मेर, जोधपुर के जिला कलेक्टर व सम्बंधित अधिकारी वर्चुअली जुड़े।

जनता ने कांग्रेस के भ्रम जाल को तोड़ा : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हरियाणा में मिली भाजपा की जीत को लेकर कहा कि जनता ने हमें आशीर्वाद दिया। जनता ने कांग्रेस द्वारा पैदा किए गए भ्रम जाल को तोड़कर हमारी पार्टी के लिए सत्ता का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, हरियाणा में कांग्रेस ने कई हथकंडे अपनाए, क्योंकि उन्हें लगता था कि वो जीत जाएंगे, लेकिन जनता ने उन्हें नकार कर भाजपा को मौका दिया। हरियाणा में हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं, जो हमारे लिए सुखद संकेत है। इससे हमारी पार्टी के कार्यकर्ता उत्साहित हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो भ्रम फैलाया था, जनता उसे समझ चुकी है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में भी यह भ्रम फैलाया था कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आ गई, तो आरक्षण को समाप्त कर दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने भी इसी बात पर बल दिया था। नेता प्रतिपक्ष ने तो विदेश में भी कह दिया था कि अगर हम सत्ता में आएंगे, तो आरक्षण समाप्त करने के बारे में विचार करेंगे, जिसे जनता समझ चुकी है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा, उसे करके दिखाया है। हम जनता के हितों से कोई खिलवाड़ नहीं करते हैं। हमारा एक ही मकसद है कि लोकतंत्र पर कोई कुठाराघात ना कर सके। हमारी कोशिश है कि लोकतंत्र पर कोई आंच ना आए। लोकतंत्र जिंदा रहे। लोकतंत्र के सिद्धांतों के साथ कोई किसी भी प्रकार का खिलवाड़ ना कर सके।इसके अलावा, उन्होंने जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि हमारी पार्टी के पक्ष में क्या आंकड़े हैं, बल्कि सभी को यह बात जरूर सोचना चाहिए कि घाटी में दस साल बाद चुनाव हुए हैं। खास बात यह है कि शांतिपूर्वक चुनाव हुए हैं। लोगों में चुनाव को लेकर उत्साह देखने को मिला, जो हम सभी के लिए उत्साह का विषय है।

इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हरियाणा में मिली प्रचंड जीत का फायदा हमें राजस्थान के उपचुनाव में भी मिलेगा। हम राजस्थान के उपचुनाव में भी शानदार जीत हासिल करेंगे, क्योंकि हमने अपने शासनकाल में हमेशा से ही जनता के हितों का विशेष ख्याल रखा है और आगे भी रखेंगे।

बयाना के निजी अस्पताल में चार पैर, चार हाथ वाले बच्चे का जन्म, इलाज के दौरान नवजात की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के बयाना कस्बे में एक बेहद संवेदनशील घटना सामने आई है, जहां दमदमा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में एक महिला ने विकृत शिशु को जन्म दिया। इसके चार हाथ और चार पैर दिखाई दे रहे हैं। यह खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, जिसके चलते अस्पताल में बच्चे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। प्रसूता महिला रनियां, जो एत्मादपुर (बयाना) की रहने वाली है और लखन गुर्जर की पत्नी है, को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने जल्दबाजी में दमदमा रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में नॉर्मल डिलीवरी के दौरान महिला ने विकृत बच्चे को जन्म दिया, जिसके शारीरिक अंग सामान्य नवजात शिशु से भिन्न थे। यह घटना असामान्य और दुखद थी, जिसने अस्पताल में मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया।

जन्म के तुरंत बाद बच्चे की स्थिति गंभीर बनी रही। डॉक्टरों ने उसे बचाने के हरसंभव प्रयास किए, लेकिन दुर्भाग्यवश इलाज के दौरान नवजात की मृत्यु हो गई। इस खबर ने परिजनों को गहरे शोक में डाल दिया, वहीं अस्पताल में मौजूद लोगों में भी यह घटना चर्चा का विषय बन गई। बच्चे को देखने के लिए लोगों का तांता लग गया, जिसके कारण अस्पताल के बाहर भीड़ जमा हो गई। इस मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी है, और लोग बच्चे के विकृत जन्म और उसकी मृत्यु को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

राज्य में नौकरशाही हावी, स्पष्ट नहीं कि सरकार कौन चला रहा है : डोटासरा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्य में नौकरशाही हावी है और यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार कौन चला रहा है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि नौकरशाही ने मुख्यमंत्री पर काला जादू कर दिया है। वह घूमते रहते हैं (जगह-जगह जाते हैं), भाषण देते रहते हैं। हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन राजस्थान की जनता ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है, भले ही उन्हें पर्ची के जरिए बनाया गया हो, लेकिन वह हम सभी के मुख्यमंत्री हैं। उन्हें काम करना होगा। पिछले साल विधानसभा चुनाव में पार्टी को जनादेश मिलने के बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में भजनलाल शर्मा के नाम की घोषणा पर्ची के जरिए की गई थी। डोटासरा ने कहा लोग परेशान हैं। किसान, युवा, बेरोजगार, दलित, सभी दुखी हैं। युवाओं को रोजगार दो। अपराधी को जेल में डालो। उन्होंने दावा किया कि पिछले दस महीनों में कोई खास काम नहीं हुआ है और विधायकों व सांसदों को दरकिनार कर दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि युवा रोजगार के लिए बेताब हैं, जबकि किसान पानी, बिजली का इंतजार कर रहे हैं। राज्य में कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री को अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश देने चाहिए। शर्मा के पास ही गृह विभाग का भी प्रभार है। उन्होंने कहा कि लोग इस बात को लेकर भ्रमित हैं कि सरकार कौन चला रहा है और मुख्यमंत्री को अपने कामकाज के जरिए यह स्पष्ट करना चाहिए। इससे पहले डोटासरा ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश कार्यकारिणी और प्रदेश सोशल मीडिया व डिजिटल मंच के जिला अध्यक्षों की बैठक ली।

नकली उर्वरक के 314 बैग जब्त

जयपुर। कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त खाद व बीज उपलब्ध करवाने और कालाबाजरी एवं नकली उर्वरकों पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा रबी व खरीफ फसलों की बुआई से पहले प्रत्येक वर्ष विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के तहत अलवर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुए आस मोहम्मद पुत्र मलखान ग्राम झाडोली ग्राम पंचायत घाटला के घर से नकली डीएपी खाद के 84 बैग इफको मार्का के और 230 बैग बिना मार्का के भरे हुए मिले व 15 खाली बैग इफको मार्का के और 60 खाली बैग बिना मार्का के जब्त किये गये। नकली उर्वरक के सैम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाये गये हैं। निरीक्षकों द्वारा आस मोहम्मद पुत्र मलखान के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया।

राज्य सरकार की अनदेखी से दीपावली का फीका होगा त्यौहार : जूली

अलवर। राजस्थान में विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने राज्य सरकार पर राज्य की जनता की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि दीपावली का यह त्यौहार प्रदेशवासियों के लिए फीका साबित होगा।

जूली ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सरकार की योजनाओं से जैसे-तैसे अपना जीवन यापन करने वाली राज्य की जनता पेंशन के लिए तरस रही है। विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति समय पर नहीं मिलने से परेशान विद्यार्थी विभाग के चक्कर लगाकर थक गए हैं।

उन्होंने कहा कि पालनहार जैसी योजना को भी राज्य सरकार ने 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में रखा हुआ है। जनहित की योजनाओं पर राजस्थान सरकार गंभीर नहीं है, सरकार की लापरवाही से 90 लाख पेंशनधारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जो कि गंभीर विषय है।

असम में आनलाइन शेयर कारोबार घोटाला मामलों की जांच सीबीआई ने संभाली : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूरे राज्य भर में दर्ज ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले के 41 मामलों की जांच आधिकारिक तौर पर संभाल ली है।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, हमने भारत सरकार से सभी 41 पंजीकृत मामलों को औपचारिक रूप से सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया था।

राज्य के मुख्यमंत्री शर्मा के पास राज्य का गृह प्रभार भी है। उन्होंने कहा, सीबीआई आधिकारिक रूप से इस मामले को अपने हाथ में ले रही है और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी कि जल्द से जल्द न्याय मिले।

राज्य में ऑनलाइन कारोबार घोटाला अगस्त के अंतिम सप्ताह में प्रकाश में आया था, जब 29 वर्षीय दीपांकर बर्मन की कंपनी में भारी मात्रा में धन लगाने वाले निवेशकों ने शिकायत की कि उसने उन्हें

उचित रिटर्न नहीं दिया है और उसका कार्यालय 21 अगस्त से बंद है। वह फिलहाल फरार है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि असम मंत्रिमंडल ने सितंबर में ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले के संबंध में तब तक दर्ज 32 मामलों को जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

मुख्य सचिव रवि कोटा ने भी इस मामले पर सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद से चर्चा की, जिन्होंने आश्वासन दिया कि एजेंसी मामलों को अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू करेगी।

कई कंपनियों ने कथित तौर पर राज्य भर के लोगों से इस वादे पर सैकड़ों करोड़ रुपए जुटाए कि उन्हें शेयर बाजारों में निवेश करके भारी रिटर्न मिलेगा। इन कंपनियों के प्रवर्तक में से ज्यादातर युवा हैं।

हालांकि, पिछले कुछ महीनों में ये कंपनियां निवेशकों को रिटर्न चुकाने में विफल होने लगीं।

घोटाले के सिलसिले में अब तक 65 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 के अलावा भारतीय न्याय संहिता के तहत जिलों में दर्ज मामलों की जांच के लिए 14 विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए गए हैं।

घोटाले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में एक असमिया अभिनेत्री, कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सुमी बोरा और उसका फोटोग्राफर पति तार्किक बोरा शामिल हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ताजमहल देखकर हुए अभिभूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद ने मंगलवार को ऐतिहासिक ताजमहल का दीदार किया और उनके पास 17वीं शताब्दी की इस अद्भुत वास्तुकला को बयां करने के लिए शब्द नहीं थे। चार-दिवसीय द्विपक्षीय यात्रा पर भारत आए मुइज्जू ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा, इस मकबरे की खूबसूरती का वर्णन करना कठिन है। मंत्रमुग्ध कर देने वाली यह धरोहर उत्कृष्ट प्रेम तथा वास्तुशिल्प का प्रमाण है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से राज्य के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने आगरा हवाई अड्डे पर मुइज्जू का अभिनंदन किया और इसके बाद ताजमहल में भी उनका भव्य स्वागत किया गया। उपाध्याय ने मुइज्जू एवं उनकी बेगम को ताजमहल की प्रतिकृति भेंट की। दोनों मेहमानों ने तस्वीरें भी खिंचवाईं जिनमें ताजमहल उनके पार्श्व में था। उपाध्याय ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मैंने मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का आगरा के तकनीकी हवाई अड्डे पर स्वागत किया। हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद वे ताजमहल गए, जहां वे दुनिया के सात अजूबों में शामिल इस स्मारक की सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो गए।

मंत्री ने कहा, उन्होंने (राष्ट्रपति ने) और उनकी टीम ने ताजमहल के इतिहास में गहरी रुचि दिखाई और स्मारक का गहनता से अवलोकन किया। मैं योगी आदित्यनाथ की ओर से मालदीव के निवासियों की समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं। उन्होंने भी उत्तर प्रदेश के लोगों की खुशहाली की कामना की।

ज्ञानवापी के पूरे परिसर का सर्वे कराने संबंधी याचिका पर सुनवाई 10 अक्टूबर को

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद मामले में ज्ञानवापी के पूरे परिसर का सर्वेक्षण कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी। मामले से जुड़े अधिवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि ज्ञानवापी मस्जिद के पूरे परिसर का सर्वेक्षण कराने का आदेश देने के अनुरोध वाली याचिका पर मंगलवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) युगल शम्भू के सामने अपनी दलीलें रखीं। उन्होंने बताया कि कमेटी के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष दलील रखी कि जब हिन्दू पक्ष ने मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में किए जाने की अपील की हुई है तब इस मामले पर यहां बहस करने का कोई औचित्य नहीं है।

हरियाणा में समाज को बांटने की कांग्रेस की योजना विफल : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बेहतरीन प्रदर्शन से पता चलता है कि समाज को बांटने की कांग्रेस की योजना विफल हो गई है।

चौहान ने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों और विभिन्न अन्य वर्गों के लिए केंद्र द्वारा की गई कल्याणकारी योजनाओं को दर्शाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक हैं। चौहान ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता कभी-कभी खेतों में फोटो खिंचवाते हैं और फिर जलेबी के बारे में भी बात करते हैं। उन्होंने भोपाल में संवाददाताओं से कहा, कभी-कभी राहुल अपनी टीम को खेतों में ले जाते हैं और फोटो खींचते हैं और (फोटोग्राफरों से) फ्रेम में आने के लिए सबसे अच्छे कोण के बारे में पूछते हैं। कभी-कभी, वह जलेबी खाते हैं लेकिन लोग जानते हैं कि उनके लिए असली काम कौन कर रहा है। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए किए गए कार्यों का असर हरियाणा में साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे स्थान पर खिसक गई जबकि भाजपा बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है।

अप्रवासियों पर पड़ोसी राज्यों की अधिसूचना से मणिपुर पर पड़ सकता है असर : मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

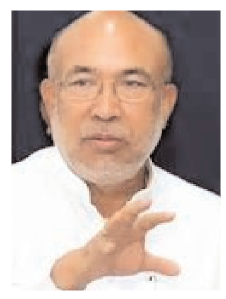

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि अप्रवासियों के संबंध में पड़ोसी राज्यों नगालैंड और मिजोरम की अधिसूचनाओं का मणिपुर पर असर पड़ सकता है और लोगों के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है। सिंह ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा कि नगालैंड सरकार ने हाल में एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें कहा गया है कि कानूनी रूप से अप्रवासी कौन हैं, इसका निर्धारण करने के संबंध में कई समुदायों के लिए आधार वर्ष 1963 और अन्य के लिए 1940 है। उन्होंने कहा कि मिजोरम सरकार ने यह भी आदेश जारी किया है कि 1951 के बाद जो लोग उस राज्य में आए हैं, वे वहां जमीन नहीं खरीद सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा, इन घटनाक्रम का पड़ोसी राज्य होने के नाते हम पर असर पड़ सकता है। इसलिए, मैंने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है, ताकि कोई भी अवैध अप्रवासी मणिपुर में प्रवेश न कर सके।

पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए जम्मू कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ने वाले उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं। प्रभावशाली अब्दुल्ला परिवार की तीसरी पीढ़ी के सदस्य उमर बडगाम विधानसभा में जीत चुके हैं और गांदेरबल में आगे चल रहे हैं।

कुछ महीने पहले ही उमर अब्दुल्ला को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार हुए विस चुनाव के परिणाम नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता के लिए बड़ी मजबूती प्रदान करने वाले हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के राजनीतिक रूप से कम सक्रिय रहने के साथ ही कई लोगों का मानना था कि यह चुनाव उमर अब्दुल्ला के राजनीतिक करियर का भविष्य निर्धारित करेगा। पांच वर्ष में 54 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कई बार केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों में अपनी भागीदारी से इनकार किया था। उन्होंने कह दिया था कि वह केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में प्रवेश करके खुद को अपमानित नहीं करेंगे। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद उन्होंने 'यू-टर्न (रुख बदलना)' ले लिया। उन्होंने दो सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला किया - गांदेरबल, जो उनके परिवार की राजनीतिक विरासत से जुड़ा निर्वाचन क्षेत्र है, और बडगाम।

कांग्रेस और राकांपा(शरद पवार) की ओर से घोषित मुख्यमंत्री के चेहरे का समर्थन करेंगे : उद्धव

मुंबई/भाषा। शिवसेना(यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि वह महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिए विपक्षी गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) द्वारा घोषित मुख्यमंत्री के किसी भी चेहरे का समर्थन करेंगे। यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार संभवत: अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों के जरिये फर्जी विमर्श प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है। ठाकरे ने सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन' योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि सरकार लोगों को उन्हीं का पैसा (योजना के माध्यम से) देकर ''महाराष्ट्र धर्म'' के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। ठाकरे ने कहा, मैं महाराष्ट्र को बचाने के लिए कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री चेहरे का समर्थन करूंगा।

उत्तर प्रदेश के सभी मंडलों में 'कुंभ सम्मेलन' कराएगी सरकार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार 'महाकुंभ 2025' से पहले प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 'कुंभ सम्मेलन' कराएगी, जिसकी शुरुआत आठ अक्टूबर से लखनऊ में होगी। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, कुंभ सम्मेलन का समापन 14 दिसंबर को प्रयागराज में होगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने संवाददाताओं से कहा, कुंभ अभिनंदन रोड शो, बाल-युवा कुंभ, कला-संस्कृति कुंभ, कवि कुंभ, भक्ति कुंभ का भी आयोजन किया जाएगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना 'कुंभ अभिनंदन' रोड शो की शुरुआत करेंगे, जो जीपीओ पार्क से सिकंदराबाद मार्ग होते हुए गोमती तट तक निकाला जाएगा। कुंभ समिट के सकुशल आयोजन के लिए मंडल स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। विज्ञप्ति के मुताबिक, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक एकेडमी द्वारा शास्त्रीय, उपशास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य की प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसके अलावा पुरातत्व विभाग, राजकीय अभिलेखाकार, संग्रहालय निदेशालय सांस्कृतिक व आध्यात्मिक धरोहर पर प्रदर्शनियां लगाएगा। उप्र राज्य द्वारा लगाई जाएंगी। कुंभ सम्मेलन के लिए 12,600 कलाकारों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है।

सोनम वांगचुक, अन्य प्रदर्शनकारियों का दिल्ली के लद्दाख भवन में अनिश्चितकालीन अनशन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ दिल्ली के लद्दाख भवन में अपना अनिश्चितकालीन अनशन जारी रखा।

लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे वांगचुक ने रविवार दोपहर को अपना अनशन शुरू किया था। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, अभी तक किसी भी सरकारी प्रतिनिधि ने उनसे संपर्क नहीं किया है।

वांगचुक के साथ अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं में से एक मेहदी ने कहा कि मंगलवार सुबह प्रदर्शनकारियों की मेडिकल जांच की गई और उनमें से कई का रक्तचाप कम पाया गया।

मेहदी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम यहां 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में बैठे हैं...यह तीसरा दिन है, हम यहां खुले में सो रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां बुजुर्ग लोग भी बैठे हैं, कुछ को मधुमेह, रक्तचाप की समस्या है। लेकिन जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती, हम यहां से नहीं जाएंगे।

अनशन में शामिल लियाकत ने कहा कि लद्दाख के लोगों को उनसे मिलने के लिए अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, लद्दाख के लोगों को लद्दाख भवन के अंदर आने की अनुमति नहीं दी जा रही है। आज सुबह कुछ छात्र सोनम वांगचुक से मिलने आए थे, लेकिन उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया। उन्होंने कहा, यह बहुत दुखद है कि लोकतंत्र में ऐसा हो रहा है, हमें अपना दर्द व्यक्त करने की अनुमति नहीं है।

वांगचुक, लद्दाख के लोगों के साथ लद्दाख भवन के गेट के पास बैठे हैं। उनका समूह कुछ गद्दों पर बैठा है, जिनका उपयोग वे सोने के लिए भी कर रहे हैं, उनके बगल में एक राष्ट्रीय ध्वज रखा हुआ है।

घबराने की जरूरत नहीं, दुनिया में पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल उपलब्धः पुरी

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के संभावित विस्तार से कच्चे तेल आपूर्ति को लगने वाले किसी भी झटके से निपटने में सक्षम होगा।

इजराइल पर ईरान के मिसाइल हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें एक सप्ताह से भी कम समय में 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। ऐसा इजराइल की जवाबी कार्रवाई करने और उससे संघर्ष बढ़ने की आशंका के चलते हुआ है। पुरी ने कहा, घबराने की कोई बात नहीं है। दुनिया में पर्याप्त से अधिक तेल की उपलब्धता है। दुनिया का तीसरा बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत कच्चे तेल की 85% जरूरत को आयात से पूरा करता है। पेट्रोलियम मंत्री ने 'एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' सम्मेलन में कहा, हालात संभाले जा सकने लायक हैं। चिंता की जरूरत नहीं है। हमें पूरा भरोसा है कि हम अतीत की तरह ही हालात से निपट पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल आपूर्ति अधिक है और यदि कुछ पक्ष उत्पादन रोक देते हैं या आपूर्ति संबंधी समस्याएं होती हैं, तो भी बाजार में नए आपूर्तिकर्ता हैं जो इस कमी को पूरा करेंगे।

निर्णायक चुनावी नतीजों से सबक ले केंद्र, जम्मू-कश्मीर सरकार के मामलों में न दे दखलः महबूबा

श्रीनगर/भाषा। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि केंद्र को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के निर्णायक फैसले से सबक लेना चाहिए और आगामी नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व को उसकी जीत पर बधाई दी और कहा कि उनकी पार्टी एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई देती हूं। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी बधाई देना चाहती हूं कि उन्होंने स्थिर सरकार के लिए वोट दिया, न कि त्रिशंकु विधानसभा के लिए, क्योंकि लोगों को पांच अगस्त 2019 के बाद कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन समस्याओं के समाधान के लिए एक स्थिर और मजबूत सरकार बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा था कि अगर स्पष्ट जनादेश नहीं होगा तो कुछ अनिष्ट होगा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख ने कहा कि केंद्र को फैसले से सबक लेना चाहिए और सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

त्रिपुरा में दुर्गा पूजा के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, अतिरिक्त बल तैनात

अगरतला/भाषा। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में यहां का सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा मनाने की तैयारी चल रही है तथा इसे देखते हुए पूरे राज्य और भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस वर्ष राज्य भर में दुर्गा पूजा के 2,850 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें अगरतला नगर निगम क्षेत्र में 450 शामिल हैं। मुख्यमंत्री माणिक साहा पहले ही 15 सामुदायिक पूजाओं का उद्घाटन कर चुके हैं। सहायक महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अनंत दास ने कहा, त्योहारों के लिए पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, हालांकि कोई विशेष खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

आरजी कर अस्पताल के 50 वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। स्थानीय आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के कम से कम 50 चिकित्सकों ने मंगलवार को अपना इस्तीफा दे दिया।

इन चिकित्सकों ने बलात्कार एवं हत्याकांड की शिकार प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के लिए न्याय की मांग को लेकर पांच अक्टूबर से आमरण अनशन पर बैठे चिकित्सकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए यह कदम उठाया है।

अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के तुरंत बाद, पश्चिम बंगाल के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों के वरिष्ठ चिकित्सकों के एक वर्ग ने कहा कि वे भी एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए इस्तीफा दे सकते हैं। यह घटनाक्रम शहर में सात कनिष्ठ चिकित्सकों द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में उनके साथियों द्वारा एकजुटता प्रदर्शित करते हुए किए जा रहे प्रतीकात्मक 12 घंटे के उपवास के मद्देनजर सामने आया है। राज्य-संचालित अस्पतालों के चिकित्सकों के संगठनों में से एक 'एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विसेज डॉक्टर्स' के प्रतिनिधि डॉ. मानस गुमटा ने कहा, अगर सरकार विरोध प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों की उचित और प्रासंगिक मांगों पर पैर पीछे खींचती रही, तो हम सरकारी अस्पतालों के सभी वरिष्ठ चिकित्सकों से इस्तीफा देने के लिए राज्यव्यापी आह्वान करने के लिए मजबूर होंगे। यह हमारे कनिष्ठ सहयोगियों के साथ एकजुटता का एक कदम होगा।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंचीं हरमनप्रीत कौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर संयुक्त 12वें स्थान पर पहुंच गईं। हरमनप्रीत के साथ 12वें स्थान पर काबिज श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा के भी 610 रेटिंग अंक हैं। वहीं स्मृति मंधाना एक पायदान गिरकर पांचवें स्थान पर तो जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान गिरकर 20वें स्थान पर आ गईं।

दूसरी ओर गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत की ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल नौ पायदान ऊपर 29वें स्थान पर आ गईं। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा दो पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गईं जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। यह रैंकिंग संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे टी20 विश्व कप के दौरान जारी की गई। कुछ समय के लिए

रैंकिंग में शीर्ष पर रहीं पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल (754 रेटिंग अंक) दूसरे स्थान पर आ गईं जब इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन (762 रेटिंग अंक) उनसे आगे निकलकर दोबारा शीर्ष पर काबिज हो गईं। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका की दोनों सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट (नंबर तीन) और तजमिन ब्रिट्स (नंबर छह) ने अपने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी कर ली।

सुविचार

मेहनत करने का कोई मौसम नहीं होता, जब करना शुरू करो वही मौसम हसीं बन जाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काम कर गया भाजपा का दांव

हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों ने एक बार फिर एग्जिट पोल्स के दावों को गलत साबित कर दिया। जनता-जनार्दन के मन की थाह पाना इतना आसान नहीं है। एग्जिट पोल्स के 'विश्लेषक' हरियाणा में कांग्रेस के पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनवा रहे थे, लेकिन नतीजे आने पर लगातार तीसरी बार 'कमल' खिल गया! यह कैसे हुआ? विधानसभा चुनावों से पहले जैसा माहौल था, उससे इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि अब भाजपा के लिए राह आसान नहीं होगी। किसानों की नाराजगी, पहलवानों का 'विरोध प्रदर्शन', बेरोजगारों के मुद्दे और अग्निवीर भर्ती के संबंध में कई तरह की आशंकाएं अपनी जगह थीं। दस साल लगातार सरकार में रहने से सत्ताविरोधी लहर भी पैदा हो जाती है। मनोहर लाल खट्टर की जगह जिस तरह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया, उससे ऐसे कयासों को बल मिला था कि अगर भाजपा विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई तो उसकी एक वजह यह भी होगी। इन कयासों को मतदाताओं ने पूरी तरह खारिज कर दिया। ये नतीजे बताते हैं कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदलने का भाजपा का दांव काम कर गया। इससे एक ओर जहां सैनी के साथ नई उम्मीदें जुड़ गईं, जनता को बदलाव देखने को मिला, दूसरी ओर कई मुद्दे, जो खट्टर के मुख्यमंत्री रहते उठ सकते थे, वे जोर नहीं पकड़ पाए। विनेश फोगाट जुलाना से जरूर जीतीं, लेकिन जीत का अंतर लगभग 6 हजार वोटों का ही रहा। स्पष्ट है कि पहलवानों के 'विरोध प्रदर्शन' को पूरे हरियाणा से व्यापक समर्थन नहीं मिला, जैसा कि दावा किया जा रहा था। भाजपा की इस जीत को संभव बनाने में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की। इसके साथ यह मानना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर मतदाताओं ने भरोसा जताया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की रणनीति बहुत काम आई।

इन नतीजों में कांग्रेस के लिए कई सबक हैं। एग्जिट पोल्स आने के बाद कांग्रेस के नेताओं में खुशी की लहर थी। दरअसल वे चुनाव प्रचार के दौरान यह मानकर चल रहे थे कि इस बार तो हमारी ही सरकार बनेगी ... हरियाणा की जनता लगातार तीसरी बार तो भाजपा को नहीं लाएगी! कुछ 'बुद्धिजीवियों' का तर्क था कि जनता भाजपा से उकता चुकी है ... उसने लोकसभा चुनाव में भी उसे 'झटका' दिया था ... लिहाजा इस बार वह कांग्रेस को सत्ता सौंपेगी ही सौंपेगी, क्योंकि और कोई विकल्प नहीं है! वास्तव में कांग्रेस के कई नेताओं को 'अति-आत्मविश्वास' हो गया था कि इस बार सत्ताविरोधी लहर के कारण उन्हें विजयश्री का वरदान मिलना तय है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ भी ऐसा ही हुआ! वे खुद उचाना कलां से हार गए। बल्कि यह कहना चाहिए कि दुष्यंत इस चुनावी टक्कर में थे ही नहीं। उनकी पार्टी का प्रदर्शन बहुत कमजोर रहा। वहीं, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। भाजपा ने भी उम्मीद से बेहतर किया। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने खूब उत्साह दिखाया था। यह उत्साह बरकरार रहना चाहिए। यहां लोकतंत्र मजबूत होना चाहिए। सरहद पार बैठीं अलगाववादी व आतंकवादी ताकतों की आंखों में जम्मू-कश्मीर की शांति बहुत खटक रही है। वे यहां अशांति का जहर घोलने की साजिशें खूब रचेंगी। वे रच भी रही हैं। इस केंद्र शासित प्रदेश के नेताओं और जनता को बहुत सावधान रहते हुए आगे बढ़ना होगा। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह रहेंगे, लेकिन किसी को यह मौका नहीं देना है कि वह दहशत के उसी पुराने खेल को दोहराने में कामयाब हो जाए। जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा हो, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार मिले, हर घर में खुशहाली आए और सद्भाव कायम रहे ... इसके लिए सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. श्री पंडित नवल किशोर शर्मा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। वे एक कर्मठ राजनेता और समाजसेवी थे, जिन्होंने अपने जीवन को देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया।

-गोविंदसिंह डोटासरा

आज रांची प्रवास के दौरान झारखंड के महामहिम राज्यपाल श्री संतोष गंगवार जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश के सर्वांगीण विकास, सुशासन व विकासात्मक योजनाओं जैसे कई अहम विषयों पर चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की यह निरंतर विजय यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित कल्याणकारी नीतियों पर जन-जन के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है।

-जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

उम्मीद का गीत

वर्ष 1970 के दशक की शुरुआत में बाढ़ ने असम के एक सुदूर गांव को तबाह कर दिया था। जब भूपेन हजारिका को इस आपदा के बारे में पता चला, तो वे गांव पहुंचे। उन्होंने देखा कि लोग हताश थे। भूपेन दा राहत कार्य में जुट गए। उन्होंने अपने संपर्कों का इस्तेमाल करके राहत सामग्री जुटाई और खुद गांव-गांव जाकर उसे वितरित किया। उन्हें अहसास हुआ कि लोगों को सिर्फ भौतिक मदद की ही नहीं, बल्कि मानसिक सहायता की भी जरूरत है। इसलिए वे हर शाम गांव की चौपाल पर बैठते और लोगों से मिलते और उन्हें गीतों के जरिए हिम्मत और उम्मीद का संदेश देते। उन्होंने एक नया गीत भी बनाया, जिसमें बाढ़ पीड़ितों के संघर्ष और उम्मीद को दर्शाया गया था। यह गीत बाद में असम में बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। भूपेन दा के इस काम ने न सिर्फ ग्रामीणों को राहत पहुंचाई, बल्कि उन्हें यह अहसास भी कराया कि वे अकेले नहीं हैं। उनकी पहल ने कई अन्य कलाकारों और नागरिकों को प्रेरित किया, जिन्होंने बाद में राहत कार्य में हिस्सा लिया।

सामयिक

बढ़ती सुख-सुविधाओं की लालसा ने मनुष्य का सुकून छीना

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

नकारात्मक विचार शैली के लोगों से दूरी बनाना हमें जीवन में बहुत आवश्यक है। हमें जीवन में उन लोगों की कद्र करनी चाहिए जो हमारे सुख-दुःख में हमेशा साथ देते है, बेहतर मार्गदर्शन करते है, मतलब के अनुसार व्यवहार बदलते नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता होती है, कभी भी हमें अपनी मर्यादा भूलकर लोगों की स्वतंत्रता पर आंच आये ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। जीवन में अगर सुख-शांति से जीना है तो, बुरे काम से दूर रहें, परोपकार की भावना, प्रकृति प्रेम, पशु सेवा, असहायों की मदद, मानवधर्म की राह पर चलने से हम समाधानी बनकर रहेंगे। बिना किसी अपेक्षा और स्वार्थ के सत्कर्म हमें जीवन में संतोष दिलाते है।

आज के आधुनिक जीवनशैली में तेजी से उभरने वाला विकार मानसिक तनाव है, जो हम हमेशा लोगों के व्यवहार से अनुभव करते है, विभिन्न परिस्थितियों में खुद में भी बहुत बार तनाव महसूस होता है। लोगों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार, दुःख, परेशानी में इंसान को हमेशा मन में डर सताता है, चिंता होती है, नकारात्मक विचार और बुरे ख्याल मन में बैठ जाते है। घटित बुरी घटनाओं की यादें हमें हरदम झंझोड़ देती है। दिन भर में दस अच्छी और एक बुरी खबर में अच्छी खबर को नजरअंदाज कर हमें केवल वह एक बुरी घटना ही परेशान करती है। जबकि उस एक बुरी खबर का हमारे जीवन में कोई विशेष अस्तित्व भी नहीं होता। लेकिन मनुष्य बेमतलब की बात को तूल देकर खुद के मन और तन को विकार देता है। अपने मन पर खुद का नियंत्रण न होना ही समस्या की मूल जड़ है। तनाव बढ़ाने से या खुद के टेंशन लेने के समस्याओं का कभी हल नहीं निकलता है। तनाव ख़त्म होगा हमारे सकारात्मक विचार और सफल प्रयास से।

सभी प्राणियों में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान माना जाता है, मनुष्य ने विज्ञान के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर ली है, आज के आधुनिक वातावरण में जहां देखने को तो खूब सुख-सुविधाएं दिखाई पड़ती है, परंतु इस आधुनिकता में मनुष्य ने अपना सुख-चैन, स्वाभाविकता, भोलापन, मासूमियत खो दिया, सुकून महसूस नहीं होता। भौतिक सुख को ही हमनें सब कुछ मान लिया है, और यहाँ तक कि हम इंसानियत को भी भूलकर पैसों के पीछे पागल हो गए। मानव से मानवता और इंसान से इंसानियत शब्द बना है, इसी शब्द की सार्थकता अनुरूप हर मनुष्य का आचरण होना चाहिए, परंतु मनुष्य बहुत नीचे गिर गया है। बहुत बार लोगों का स्वार्थ देखकर ऐसा लगता है कि इनसे बेहतर तो पशु-पक्षी है, जो खुद के फायदे के लिए दुसरो को तबाह नहीं करते है। आज की युवापीढ़ी तो रात को जागती है और दिन में आराम फरमाती है, घर में कम और बाहर ज्यादा खाते है, लोगों की नसीहत भी गाली लगती है, नीतिनियम, रोक टोक को पाबंदी मानते हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम ने तो हमें लत लगा दी है। जिम्मेदारियों के बोझ का अहसास जिन्हे होता है वहीं मेहनत को अपना कर्म बना लेते है तब उम्र भी मायने नहीं रखती है।

अपराध, भ्रष्टाचार, पद और सत्ता का दुरुपयोग, प्रदूषण, मिलावटखोरी, हर ओर राजनितिक हस्तक्षेप, अश्लीलता, झूठ, झूठा दिखावा, भेदभाव, धोखा, नशाखोरी, लोभ, संस्कारहीन व्यवहार, ईर्ष्या भाव ऐसे दूषित वातावरण में मानसिक शांति मिलना ढोंग है। लोगों की लापरवाही भी मनुष्य के लिए सिरदर्द का कारण बनता है, हर क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों की कमी की समस्या की सजा आम जनता को भुगतनी पड़ती है। उदाहरण के लिए ट्रैफिक पुलिस की कमी के कारण शहरों में खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन बड़ी परेशानी है। हर जगह, हर क्षेत्र, कार्यालय, हर रिश्ते-नाते में कुछ लोग ऐसे मिल जायेंगे जो दुनिया में केवल दूसरों को परेशान करने के लिए मौजूद है। क्योंकि ये सब तो दुनियाँ में अशांति और अराजकता के वाहक है, बहुत से लोग इससे जुड़ी समस्याओं से प्रभावित है, लेकिन सिर्फ यही हमारा पूरा संसार नहीं है, लोगों ने क्या किया इससे बेहतर है कि हमने क्या किया? यह समझें। दुनिया में केवल समृद्ध प्रकृति, अच्छे कर्म और समाधान ही मानसिक सुख का आधार बन सकते है।

मानसिक तनाव हमारे द्वारा ही तैयार किया गया खुद के लिए विकार है, इसलिए समस्या का हल खोजें, परेशान न हों। मानसिक तनाव के निर्माता अधिकतर हम खुद होते है। हमारा व्यवहार भी इसके लिए उत्तरदायी है जैसे :- दुसरो पर ज्यादा भरोसा, बुरी आदतें, जल्दी हिम्मत हारना, खुद को कमजोर बेबस मानना, आलस्य, आधुनिक दिनचर्या का अवलंबन, नीतिनियम की कमी, गलत जिद, मार्गदर्शन की कमी, लोग क्या कहेंगे सोचकर डरते रहना, नया कुछ सीखने से डरना ऐसी बहुत सी बातें हमें मानसिक रूप से बीमार बनाती है। अगर हम सत्य की राह पर चल रहे हैं तो कभी भी लोकलाज की न सोचें। जीवन को आसान बनाकर जिंदादिली से जियें।

नकारात्मक विचार शैली के लोगों से दूरी बनाना हमें जीवन में बहुत आवश्यक है। हमें जीवन में उन लोगों की कद्र करनी चाहिए जो हमारे सुख-दुःख में हमेशा साथ देते है, बेहतर मार्गदर्शन करते है, मतलब के अनुसार व्यवहार बदलते नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता होती है, कभी भी हमें अपनी मर्यादा भूलकर लोगों की स्वतंत्रता पर आंच आये ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। जीवन में अगर सुख-शांति से जीना है तो, बुरे काम से दूर रहें, परोपकार की भावना, प्रकृति प्रेम, पशु सेवा, असहायों की मदद, मानवधर्म की राह पर चलने से हम समाधानी बनकर रहेंगे। बिना किसी अपेक्षा और स्वार्थ के सत्कर्म हमें जीवन में संतोष दिलाते है। खुद को हमेशा अच्छे काम में व्यस्त रखें, अपने क्षेत्र में काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयत्न करें। थोड़ा समय निकालकर समाज में श्रमदान करें। हेल्दी हॉबी बनाए रखें, नियमित व्यायाम, मैदानी खेल खेलें, अपनी बढ़ती उम्र को भी केवल संख्या मानकर चलें। सुख-दुःख, हार-जीत जीवन में निरंतर चलता रहता है, वक्त कभी एक-सा नहीं रहता, समयानुसार बदलाव आते ही है। मुश्किल समय में हौसला बनाये रखें और आपने जो अपने जीवन में अच्छे काम, अच्छे व्यवहार किये है तो अच्छे लोग भी आपसे जुड़े रहेंगे। आप जीवन में जैसा बोएंगे वैसा ही फल पाएंगे।

क्या आपको याद है कि आप पिछली बार कब मन से खिलखिलाकर हंसे थे? जबकि हमें हर पल मुस्कुराते हुए जीना चाहिए। जीवन में समस्या आएंगी, लेकिन आप उस समस्या को किस तरीके से देखते है, ये आप पर निर्भर करता है। समस्याओं को चुनौती मानकर सामना करने वाले हमेशा सफल होते है, क्योंकि वे समस्याओं से घबराते नहीं बल्कि उसे अवसर मानकर आगे बढ़ते है। कोई भी समस्या या दुख होने पर वह समस्या खुद पर हावी न होने दें, तनाव बिलकुल भी न लें, क्योंकि तनाव अनेक जानलेवा गंभीर बीमारियों की जड़ होती है जो हमें अधिक मुश्किल हालात में डाल देती है, साथ ही यह अपराधवृद्धि में विशेष सहायक है।

खुद पर भरोसा रखें, हमेशा समयानुसार अद्यतन रहें, मुश्किल आने पर निराश होने के बजाय हल क्या हो सकता है इस पर ध्यान दें। अपने खाली समय का सदुपयोग करें, सकारात्मक विचारों के लोगों से मिलें, गुस्से, आवेश या भावनाओं में बहकर तुरंत निर्णय न लें। नशे और बुरी संगत से दूर रहें। अभिभावक कृपया बच्चों को अतिलाड़ में न बिगाड़े, उन्हें उत्तम संस्कार दें। बिना किसी स्वार्थ के बेसहारों की मदद अनमोल सुकून देता है। जिसके मन में लोगों के लिए कोई जलन या भेदभाव नहीं है और अपने काम से संतुष्ट है वही समाधानी मनुष्य मानसिक तनाव से दूर रह सकता है।

नजरिया

पत्रकारों की स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

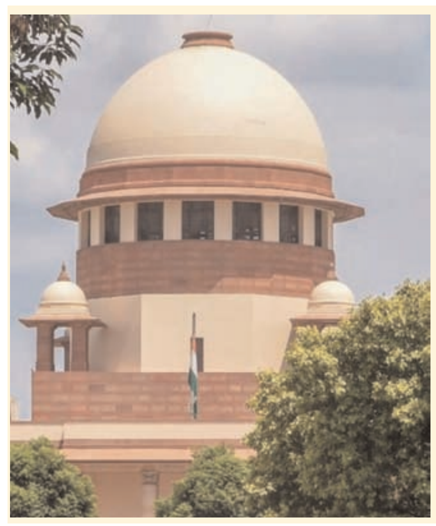

आज समाज में नायक कम खलनायक ज्यादा हैं। प्रसिद्ध शायर नज़मी ने कहा है कि अपनी खिड़कियों के कांच न बदलो नज़मी, अभी लोगों ने अपने हाथों से पत्थर नहीं फेंके हैं। प्रेस ने समय-समय पर ऐसी स्थितियों के प्रति सावधान किया गया है, डर पत्थर से नहीं, डर उस हाथ से है जिसने पत्थर पकड़ रखा है।' महावीर, बुद्ध एवं गांधी का उदाहरण देते हुए बहुत सफाई के साथ प्रेस ने समाज को सजग किया है। प्रेस की आजादी का मुख्य रूप से यही मतलब है कि शासन की तरफ से इसमें कोई दखलंदाजी न हो, लेकिन संवैधानिक तौर पर और अन्य कानूनी प्रावधानों के जरिए भी प्रेस की आजादी की रक्षा जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला-बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं।

निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं।

कभी-कभी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे। हालांकि आलोचना का अर्थ हर समय निंदा करना नहीं होता। किसी भी मुद्दे के पक्ष और विपक्ष का तार्किक विश्लेषण करना होता है। पत्रकारिता यही करती है। वह लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी एक आजाद एवं जीवंत प्रेस के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।'

आज हर हाथ में पत्थर है। आज समाज में नायक कम खलनायक ज्यादा हैं। प्रसिद्ध शायर नज़मी ने कहा है कि अपनी खिड़कियों के कांच न बदलो नज़मी, अभी लोगों ने अपने हाथों से पत्थर नहीं फेंके हैं। प्रेस ने समय-समय पर ऐसी स्थितियों के प्रति सावधान किया गया है, डर पत्थर से नहीं, डर उस हाथ से है जिसने पत्थर पकड़ रखा है।' महावीर, बुद्ध एवं गांधी का उदाहरण देते हुए बहुत सफाई के साथ प्रेस ने समाज को सजग किया है। प्रेस की आजादी का मुख्य रूप से यही मतलब है कि शासन की तरफ से इसमें कोई दखलंदाजी न हो, लेकिन संवैधानिक तौर पर और अन्य कानूनी प्रावधानों के जरिए भी प्रेस की आजादी की रक्षा जरूरी है। यही काम सुप्रीम कोर्ट ने किया है, जो पत्रकारों के सम्मुख उपस्थित विभिन्न झंझावातों एवं संकटों के बीच अपने प्रयासों के दीप जलाये रखने का आह्वान हैं। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लहूलुहान करना और उसे जंजीरों में जकड़ने की कोशिशें करना विडम्बनापूर्ण है। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में कैसे भरेगी कलम उड़ान! यही सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता है, जिसे सत्ताधीशों को समझना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लंगूर मेला

अमृतसर के दुर्गियाना मंदिर में नवरात्रि समारोह के दौरान भगवान हनुमान की वेशभूषा में भक्त 'लंगूर मेला' धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को मंगलवार को सिनेमा के क्षेत्र में सरकार का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां विज्ञान भवन में 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान 'मृगया, डिस्को डांसर' और 'प्रेम प्रतिज्ञा' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके चक्रवर्ती को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच चक्रवर्ती (74) ने अपने संबोधन में कहा, मैं आपके आशीर्वाद से एक बार फिर इस मंच पर आया हूं। मुझे कोई भी चीज थाली में परोस कर नहीं मिली, मैंने बहुत संघर्ष किया। लेकिन आज, यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, मैंने शिकायत करना बंद कर दिया है। भगवान का शुक्र है, आपने ब्याज सहित मुझे सब कुछ वापस दे दिया। उन्होंने भारत भर में उभरती प्रतिभाओं के लिए भी कुछ सुझाव साझा किए। अभिनेता ने कहा, हमारे देश में कई प्रतिभाशाली लोग हैं, लेकिन उनके पास पैसा नहीं है। मैं उनसे कहना चाहूंगा कि आपके पास पैसा नहीं हो, लेकिन उम्मीद मत खोइए। सपने देखते रहिए। सोइए लेकिन अपने सपनों को सोने मत दीजिए।

चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। उन्हें वर्ष 2022 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य चक्रवर्ती को तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने के कुछ महीने बाद मिला है। अभिनेता पुणे के भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र हैं। मिथुन ने मुख्य रूप से हिंदी और बांग्ला सिनेमा में काम किया है। मृणाल सेन की 1976 में आई फिल्म 'मृगया' से चक्रवर्ती ने फिल्मों में अभिनय की शुरुआत की थी जिसके लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता था। उन्होंने 1992 की फिल्म 'तहादेर कथा' (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता) और 1998 की फिल्म 'स्वामी विवेकानंद' (सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता) के लिए भी दो और राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल ने चक्रवर्ती को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना। निर्णायक मंडल में अभिनेत्री आशा पारेख, अभिनेत्री-नेत्री खुशबू सुंदर और फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह शामिल थे।

जश्न

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी अपनी पत्नी सुमन सैनी के साथ मंगलवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के बाद जश्न मनाते हुए।

भारत का खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाना हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं : मलेशिया

कुआलालम्पुर/भाषा

मलेशिया के बागान और जिंस मंत्री दातुक सेरी जोहारी अब्दुल गनी ने मंगलवार को भारत द्वारा पामतेल आयात शुल्क में हाल ही में की गई बढ़ोतरी को 'अस्थायी विचलन' करार देते हुए कहा कि इस तेल की मांग स्थिर बनी हुई है। गनी ने लड़ाकू विमानों के हस्तांतरण के बदले में पामतेल की आपूर्ति के लिए मलेशिया और भारत के बीच व्यवस्था के बारे में अटकलों को खारिज कर दिया।

भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है, ने 14 सितंबर, 2023 को पामतेल और अन्य खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया, जिससे कच्चे पामतेल पर प्रभावी शुल्क 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.7 प्रतिशत और रिफाइंड तेलों पर 13.75 प्रतिशत से बढ़कर 35.75 प्रतिशत हो गया।

मलेशिया पाम ऑयल फोरम के मौके पर एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए गनी ने कहा, मेरे लिए किसी भी तरह का विचलन अस्थायी है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा हाल ही में शुल्क नीति में किए गए बदलावों से कोई 'समस्या' पैदा नहीं होगी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 1.4 अरब की आबादी वाले भारत में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेलों सहित खाद्य तेलों के लिए कई विकल्प हैं। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ एक अच्छे साझेदार बने रहेंगे और टिकाऊ ढंग से पामतेल की आपूर्ति जारी रखेंगे। मलेशिया ने भारत की घरेलू पामतेल खेती को समर्थन देने की पेशकश की है।

अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान गनी ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और देश को बीज और तकनीक के साथ मदद की पेशकश की। मलेशिया अपनी खुद की पामतेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था के रहते भारत की पामतेल खेती का समर्थन क्यों करेगा, इस पर गनी ने 'विशेष' द्विपक्षीय संबंधों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मलेशिया चावल, प्याज और चीनी जैसी भारतीय वस्तुओं पर निर्भर है। मंत्री के अनुसार, इस वर्ष मलेशियाई पामतेल का उत्पादन 1.26 करोड़ टन तक पहुंच गया है।

महबूबा मुफ्ती के लिए पीडीपी के झंडे को फहराए रखना एक कठिन चुनौती है

श्रीनगर/भाषा

जम्मू-कश्मीर में मिले जनादेश के अनुसार महबूबा मुफ्ती के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का झंडा फहराए रखना एक कठिन चुनौती है।

पीडीपी ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करके पूर्ववर्ती राज्य में सरकार बनाई थी। इस विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीट पर चुनाव लड़ा जिनमें से उसे मात्र तीन सीट पर जीत मिली थी।

वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं।

महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी।

पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी।

विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। यह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती (65) ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया, जिसे 2018 के बाद से सबसे अधिक नेताओं के दलबदल का सामना करना पड़ा है। वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया।

वर्ष 2002 में 16 सीट जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई।

महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की।

वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं।

अपने किरदार में डूब जाने का मौका देता है ओटीटी प्लेटफॉर्म: सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म 'ककुड़ा' में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को बहुत अहम बताया। कहा कि यह कलाकारों को अपने किरदारों की गहराई को समझने और उन्हें निभाने का मौका देता है। सोनाक्षी ने अब तक दो ओटीटी शो 'दहाड़' और हाल ही में आई 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में दिखीं। इसमें सोनाक्षी के काम को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। एक अवॉर्ड शो में 'हीरामंडी' अदाकारा सोनाक्षी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेत्री ने कहा, मैंने लगातार दो साल यह पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार मुझे 'दहाड़' और 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के लिए दिया गया। यह इस बात का प्रमाण है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म कलाकारों को खुलकर काम करने का मौका दे रहा है। यह कलाकारों को शक्तिशाली भूमिका निभाने का मौका दे रहा है। सोनाक्षी ने ओटीटी और बड़े पर्दे पर काम करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, ओटीटी इस समय वाकई एक गेम-चेंजर है। ओटीटी पर पेश की जाने वाली भूमिकाएं अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। बड़े पर्दे पर हमेशा यह संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, बड़ी स्क्रीन का उद्देश्य हमेशा ही ज्यादा से ज्यादा लोगों का मनोरंजन करना होता है, जबकि मुझे लगता है कि ओटीटी किरदारों को गहराई से जानने के लिए ज्यादा मौका देता है। मुझे दोनों ही जगह दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनना रोमांचक है, जहां कंटेंट ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने किरदारों को निभाने पर बात करते हुए कहा था कि मैं सेट पर पहुंचती हूं, कैमरे का सामना करती हूं, और तब किरदार मेरे लिए जीवंत हो उठता है। 23 जून को सोनाक्षी ने जहीर के साथ परिवार और करीबी दोस्त की मौजूदगी में शादी की थी। सोनाक्षी को पिछली बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था।

इंडियन एयरफोर्स डे: अनिल कपूर ने दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

इंडियन एयरफोर्स डे पर अनिल कपूर ने लिखा नोट, भारतीय सेना में अधिक युवाओं की भर्ती की अभिलाषा करी! अनिल कपूर ने भारतीय वायुसेना दिवस मनाया, अनिल कपूर, जिन्होंने अपनी फिल्म 'फाइटर' से बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ा, जिसमें उन्होंने ग्रुप कैप्टन राकेश जयसिंह उर्फ रॉकी की भूमिका निभाई, उन्होंने इंडियन एयरफोर्स डे पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने रॉकी के रूप में अपनी एक तस्वीर के साथ लिखा।इस भारतीय वायु सेना दिवस पर, हमारे आसमान को सुरक्षित रखते हुए ऊंची उड़ान भरने वाले नायकों को मेरा हार्दिक सलाम। मुझे भारतीय वायु सेना के अविश्वसनीय व्यक्तियों से मिलने और उनसे दोस्ती करने का सम्मान मिला है और उनका समर्पण प्रेरणा देता रहता है। भविष्य में और भी युवा भारतीय इस विशिष्ट बल में शामिल हों और इसे पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाएं।

जनवरी 2024 में रिलीज़ हुई, 'फाइटर' जल्दी ही साल की पहली सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फ़िल्म बन गई, जिसने अपनी रोमांचक कहानी, स्टार स्टडेड कास्ट और देशभक्ति के सशक्त संदेश से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस एरियल एक्शन थ्रिलर में, कपूर ने एक हाई रैंकिंग एयरफोर्स ऑफिसर की भूमिका निभाई, जिसने उनकी शानदार स्क्रीन स्क्रीन और वर्सेटिलिटी को प्रदर्शित किया। उनके किरदार ने फिल्म में गहराई और इंटेंसिटी जोड़ी। साथ ही उन्होंने लीडरशिप और ड्यूटी की जटिलताओं को बखूबी दर्शाया, जिससे देश भर के दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए और दुनियाभर में लगभग 359 करोड़ रुपये की कमाए की।

वर्तमान में, कपूर अपनी वैश्विक पहचान के कारण चर्चा का विषय बन गए हैं। उनकी हिट ओटीटी सीरीज़ 'द नाइट मैनेजर' को हाल ही में एमी नॉमिनेशन मिला और उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग के खिलाफ़ बोलने के लिए टाइम की 100 एआई लिस्ट में शामिल किया गया। उन्होंने 'एनिमल' में बलबीर सिंह की भूमिका के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का खखक्र- अवॉर्ड भी जीता। सिनेमा आइकन की अगली फ़िल्म सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित 'सूबेदार' है। यह फ़िल्म कपूर के शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित होने का वादा करती है।

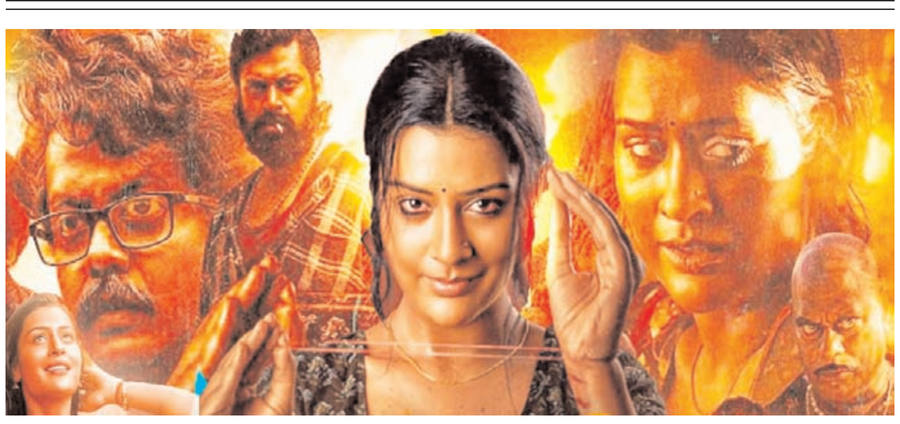

11 को होगा फिल्म 'मंगलवार' का प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी अनमोल सिनेमा पर 11 अक्टूबर को फिल्म 'मंगलवार' का प्रीमियर किया जायेगा। अजय भूपति के निर्देशन में बनी फिल्म मंगलवार में पायल राजपूत, नंदिता स्वेता और अजय घोष कि अहम भूमिका है। फिल्म 'मंगलवार' का प्रीमियर ज़ी अनमोल सिनेमा पर 11 अक्टूबर को शाम 7 बजे होगा। पायल राजपूत ने कहा, एक कलाकार के तौर पर 'मंगलवार' में काम करना एक बेमिसाल सफर रहा है। ये कहानी बेहद दिलचस्प है और इसे रोमांचक बनाने के लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। मुझे याद है कि जब निर्देशक अजय भूपति सर कहानी सुना रहे थे तो मैं सिहर उठी थी। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग करना मुश्किल था, लेकिन मेरे दिमाग में यह बात साफ थी कि मैं इसमें अपना सबकुछ झोंक दूंगी। मैं दर्शकों को इस फिल्म का अनुभव कराने के लिए उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि वे इससे उतना ही जुड़ेंगे जितना हम इसे बनाते समय जुड़े थे।

अजय भूपति ने कहा मैं खुद एक छोटे-से गांव से हूं और इस नाते, खेतों और बंजर ज़मीन का रात का नजारा हमेशा मुझे डराता था। निर्देशक बनने के बाद से ही, मैं हमेशा रात में सेट की गई फिल्म बनाना चाहता था, इसलिए जब मंगलवार का विचार मेरे दिमाग में आया, तो यह एक बिल्कुल सही पृष्ठभूमि थी। यह फिल्म एक ऐसे गांव में सेट की गई है, जहां हर मंगलवार को अजीबोगरीब और विचित्र घटनाएं होती हैं। यह एक दिलचस्प कहानी है और इसमें कलाकारों और क्रू ने भी पूरी लगन से काम किया।

आर एक्स 100 के बाद इस थ्रिलर के लिए पायल के साथ फिर से जुड़ना रोमांचक था। हमने इस फिल्म में अपना जी जान लगा दिया है, और मुझे विश्वास है कि दर्शक उस जुनून को महसूस करेंगे। कहानी कई तरह से दर्शकों से जुड़ती है, और मुझे उस पल का बेसब्री से इंतजार है जब दर्शक इसे अपने टीवी स्क्रीन्स पर देखेंगे।

'लव एंड वॉर' को बहुत खास फिल्म मानते हैं संजय लीला भंसाली

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार संजय लीला भंसाली अपनी आने वाली फिल्म लव एंड वॉर को बहुत खास फिल्म मानते हैं। संजय लीला भंसाली, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, और विक्की कौशल को लेकर फिल्म लव एंड वॉर बना रहे हैं। संजय लीला भंसाली ने बताया,फिल्म लव एंड वॉर मेरे लिये रोमांचक है। ये एक बहुत ही खास फिल्म है, क्योंकि ये किसी इतिहासिक समय में नहीं है, ये कंटेंपरेरी है। यह अलग है, इसका संगीत भी अलग है। भंसाली ने कहा कि उन्हें फिल्म लव एंड वॉर बनाने में मजा आ रहा है और इसमें बेहतरीन कलाकार हैं। रणबीर के साथ मैं 18 साल बाद काम कर रहा हूं।फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली है।

मणिरत्नम की फिल्म में फिर से काम करेंगे रजनीकांत

मुंबई/एजेन्सी

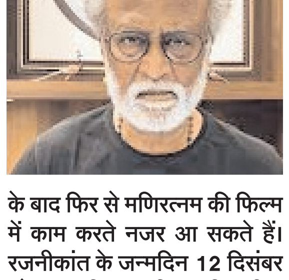

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महनायक रजनीकांत, सुप्रसिद्ध फिल्मकार मणिरत्नम के साथ फिर से काम करते नजर आ सकते हैं। रजनीकांत ने वर्ष 1991 में प्रदर्शित मणिरत्नम निर्देशित फिल्म थलपति में काम किया था। इस फिल्म में ममूटी, अरविंद स्वामी, अमरीश पुरी, श्रीविद्या, भानुप्रिया और शोभना ने भी अहम भूमिका निभायी थी। फिल्म की कहानी महाभारत के कर्ण और दुर्योधन की दोस्ती से प्रेरित थी। इस फिल्म में रजनीकांत ने कर्ण से प्रेरित सूर्य की भूमिका निभाई थी जबकि ममूटी ने दुर्योधन से प्रेरित देवराज की भूमिका निभाई थी।चर्चा है कि रजनीकांत 33 साल के बाद फिर से मणिरत्नम की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। रजनीकांत के जन्मदिन 12 दिसंबर को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।मणिरत्नम इन दिनों कमल हासन के साथ 'ठग लाइफ' की शूटिंग कर रहे हैं। वहीं रजनीकांत अपनी फिल्म 'वेट्टैयन' की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर में अजय देवगन, करीना कपूर, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रवि किशन, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, रणवीर सिंह, श्वेता तिवारी और जैकी श्रॉफ की झलक देखने को मिली है और कई दमदार डायलॉग्स सुनने को मिले हैं। इस फिल्म के ट्रेलर को हिन्दी फिल्मों के इतिहास का सबसे लंबा ट्रेलर बताया जा रहा है। फिल्म के 4:58 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत अजय देवगन के सीन से होती है, जो देश की सीमा पर बर्फ से लदे पहाड़ों की तरफ देख रहे हैं।करीना कपूर अजय देवगन की पत्नी की भूमिका में हैं, जो रामलीला आयोजित कर रही हैं। करीना अपने रामलीला के अगले सीन के बारे में अजय देवगन और अपने बेटे से डिस्कस करती दिख रही हैं। उनके बेटे को यकीन नहीं हो रहा और पूछते हैं- क्या आपको भी लगता है कि राम जी सीता जी को लेने लंका गए थे 3000 किलोमीटर दूर? करीना कहती हैं- बिल्कुल, ये फैक्ट है, तुम्हारी जेनरेशन को तो सच्चे प्यार का कॉन्सेप्ट ही समझ नहीं आता।फिर बेटा कहता है- अगर आपको किसी रावण टाइप कैरक्टर ने किडनैप कर लिया तो डैड आप जाओगे? मॉम को बचाने? अजय देवगन कहते हैं, 'गूगल पर सिंघम टाइप कर ले , पता चल जाएगा कि तेरा बाप चीज क्या है। जिससे नफरत करता है, प्यार करता है उसके लिए कहीं भी जा सकता है।'इसी के साथ इस कहानी को सीता मां के हरण की कहानी के साथ जोड़ा गया है। करीना को किडनैप कर लिया जाता है और अब एक और लंका जलने वाली है। अब अजय देवगन इतिहास दोहराने जा रहे हैं और अपने वचन के लिए एक और लंका जलाने की तैयारी में हैं। यहां से कहानी एक अलग ट्रैक पर है।

फिल्म में जैकी श्रॉफ से अजय देवगन पड़ताल करते दिख रहे हैं और बात हो रही हैं अर्जुन कपूर की। अर्जुन इस फिल्म में नेगेटिव भूमिका में शानदार जंच रहे हैं। और फि एंट्री होती है पुलिस ऑफिसर शक्ति की यानी दीपिका पादुकोण की। रोहित शेट्टी की निर्देशित 'सिंघम अगेन' में अजय देवगन, सिंघम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह,दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कई सितारे नजर आयेंगे। यह फिल्म 01 नवंबर को दीवाली के अवसर पर रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

परमात्मा ने आत्म तत्व को प्रकट करने के लिए जो मार्ग अपनाया, वह अति कठिन था। आज दूसरों की प्रशंसा करना कठिन है लेकिन स्वयं की प्रशंसा करना उतना ही सरल है। परमात्मा ने तप साधना की लेकिन अपने समीप रहे। जो धर्म में स्थिर हैं, मोक्ष पाना चाहता है, ऐसे मनुष्य को इससे बढ़कर त्याग करना कोई बाधा नहीं है। जो वीतरागी है, उनके भीतर चैतन्य रहता है। इस प्रकार आर-पार के संसार को जानकर सबसे सुरक्षित कर लिया।

‘सत्य बोलो लेकिन वह सत्य निष्पाप हो’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में मंगलवार को पुच्छिस्सुणं संपुट जाप की 28वीं गाथा का स्वाध्याय हुआ। उन्होंने इस गाथा का भावार्थ बताते हुए कहा कि हमें सत्य का साक्षात्कार करना है। सत्य के दो रूप हैं पहला जो सर्वांगीण है, परिपूर्ण है। यह सत्य अनेकांत से प्राप्त होता है। दूसरा शास्वत सत्य, जो कभी नष्ट नहीं होने वाला। दुःख और उसके कारण को दूर करने के लिए प्रभु ने तप को आत्मसात किया। उनकी साधनाकाल में आठों प्रहर की चर्या तपमय थी।

उन्होंने कहा प्रभु तप, पारणा करते थे तो भी उपधान करते थे यानी आत्मा के समीप रहते थे। ध्यान करते या विचरण के समय भी अपने आप के समीप रहते थे। यह कार्य बहुत दुष्कर है। उन्होंने कहा प्रत्येक मुनि को अपनी चर्या की आलोचना करनी चाहिए। परमात्मा ने आत्म तत्व को प्रकट करने के लिए जो मार्ग अपनाया, वह अति कठिन था। आज दूसरों की प्रशंसा करना कठिन है लेकिन स्वयं की प्रशंसा करना उतना ही सरल है। परमात्मा ने तप साधना की लेकिन अपने समीप रहे। जो धर्म में स्थिर हैं, मोक्ष पाना चाहता है, ऐसे मनुष्य को इससे बढ़कर त्याग करना कोई बाधा नहीं है। जो वीतरागी है, उनके भीतर चैतन्य रहता है। इस प्रकार आर-पार के संसार को जानकर सबसे सुरक्षित कर लिया। उन्होंने कहा इस गाथा का भाव यही है कि कठिन तप को धारण कर लेते हैं, वह संकल्प ही साधना में सिद्धि देने वाला बन जाता है। जब तक अपने समीप नहीं आते, साधना आगे नहीं बढ़ सकती। दूसरों को देने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम दान है। दान में सबसे श्रेष्ठ अभयदान है। अभयदान वही, जो हम वह सारी चीजें करें जो जीवों के हित में है। देना ही है तो अभयदान दो। उन्होंने कहा सत्य अपने आप में श्रेष्ठ है। सत्य शांत बनाने वाला है। सत्य बोलो लेकिन वह निष्पाप सत्य हो। तपों में श्रेष्ठ तप ब्रह्मचर्य है। इस प्रकार से यदि हम अपने जीवन में तप, सत्य और दान को अपनाते हैं तो धर्म गहराई तक पहुंच जाता है। हम साधना के लक्ष्य के नजदीक पहुंच जाते हैं। ये साधनाएं मंजिल तक पहुंचाने वाली है लेकिन तप, सत्य और दान के साथ करें। सभी धर्मों में श्रेष्ठ तत्व निर्वाण है। निर्वाण से बढ़कर कोई धर्म नहीं। परमपिता परमात्मा ज्ञानियों में श्रेष्ठ है। यह आराधना, साधना करने से सभी के दुःख दूर होते हैं। इस दौरान गुणवंती पींचा ने संपुट जाप साधना पर अपने भाव प्रकट किए। 19 अक्टूबर से श्री मद् उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना सुबह 8 से 9 बजे शुरू होगी। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

दुर्गापूजा शक्ति और प्रकृति के समन्वय का महापर्व : ईश्वर करुण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महाकवि भारतीयार नगर में मनाए जा रहे नवरात्रि महोत्सव में पिछले दिन संध्याकालीन प्रवचन और गायन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार ईश्वर करुण ने मुख्य अतिथि के रूप में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा शक्ति और प्रकृति के समन्वय का महापर्व है। माता कुष्मांडा के रूप में आज माँ दुर्गा की पूजा होती है। कुष्मांडा हमारे लिए प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला बहुत ही गुणकारी फल है, जिसके आयुर्वेदिक महत्व, सामाजिक महत्व और घरेलू महत्व के साथ-साथ आध्यात्मिक महत्व भी है।

अपने संबोधन में ईश्वर करुण ने नई पीढ़ी को माँ दुर्गा से जुड़ी हुई विभिन्न दुर्गा मंदिरों की कथा रोचक अंदाज में सुनाई। उन्होंने श्रद्धालुओं से सनातन धर्म के साथ गहराई से जुड़ने का संदेश भी दिया और कहा कि प्रत्येक बच्चे को इस नवरात्रि के पर्व का सदुपयोग करते हुए स्वस्तिक बनाना सीख लेना चाहिए। क्योंकि स्वस्तिक अपने आप में धनात्मक ऊर्जा देने वाला एक विशेष यंत्र है,जिसका महत्व पूरे विश्व में है। इसी तरह से महिलाओं को संबोधित करते हुए भी उन्होंने कहा कि घर के निगेटिव एनर्जी को दूर करने का सबसे सरल उपाय है कि इस नवरात्रि में माता दुर्गा को जो दीप आप दिखाती हैं, वह दीप आप अपने घर के प्रत्येक कमरे में भी अवश्य ले जाइए।

दुर्गा सप्तशती की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें जो कवच पाठ है- आश्चर्य होता है कि इतने प्राचीन समय में भी भारतीय मेधा इस उच्च कोटि की थी कि शरीर के अंदर-बाहर के विभिन्न अंगों को वह नामित कर चुकी थी और उनकी उनकी रक्षा और चिकित्सा के लिए वह माँ दुर्गा से प्रार्थना करती थी और आज भी करती है। उन्होंने नई पीढ़ी को चंदन लगाने का महत्व बताते हुए चंदन करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उन्होंने अपना लिखा गीत सहित कई अन्य लोकप्रिय गीत भी श्रोताओं को सुनाया। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में महाकवि भारती नगर और आसपास के श्रद्धालु उपस्थित थे। ईश्वर करुण का स्वागत और सम्मान दुर्गा पूजा समिति के सचिव एसपी सिंह ने किया और उनका परिचय दुर्गा पूजा समिति के नवीन कुमार राय ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन दुर्गा पूजा समिति के अजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर मनोज सिंह, रत्नेश सिंह, सुमन झा, जयनाथ सुमन,पप्पू, जीतू, जीतेन्द्र, आदित्य उपस्थित थे।

अशोक केडिया अध्यक्ष व मोहनलाल बजाज महामंत्री पद पर स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की तमिलनाडु शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई की सत्र 2024-26 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक में अशोक केडिया को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपने संबोधन में अशोक लखोटिया, मुरारीलाल सौंथालिया, बृज खंडेलवाल को उपाध्यक्ष, महामंत्री मोहनलाल बजाज, सहमंत्री अजय नाहर, कोषाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल को नियुक्त किया।

कार्यकारिणी समिति में डॉ. अशोक मूंदड़ा, अनुराग माहेश्वरी, आदित्य मोहता, गोविंद प्रशाद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, हितेश कनोडिया, कृष्ण कुमार नथानी, राजू जालान, सुदर्शन रूंगटा, रामावतार रूंगटा, गौरीशंकर राठी, अनिल घुरका निर्विरोध चुने गए। तात्कालिक पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल एवं पूर्व मंत्री मुरारीलाल सौंथलिया को गत सत्र के उत्तम कार्यकाल के लिए सह सम्मान आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया गया।

नव निर्वाचित महामंत्री मोहनलाल बजाज ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में सदस्यों को जोड़ने का आग्रह किया।

खुली पुस्तक परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन रत्न युवक परिषद तमिलनाडु के संचालन में जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में श्री जैन रत्न युवक परिषद तमिलनाडु के संचालन मे अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् द्वारा अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की कक्षा एक से चार तक की पुस्तक की खुली पुस्तक परीक्षा स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट व किलपाक, पुनमल्ली, तिरुवन्नामले, के एल पी अपार्टमेंट,नंगनल्लूर, ताना स्ट्रीट,वेल्लूर, आवडी मे आयोजित की गई। परीक्षा के आयोजन में श्रावक संघ, श्राविका मंडल एवं युवक परिषद तमिलनाडु के पदाधिकारियों एवं अनेक सदस्यों की सेवाओं व प्रयासों के परिणाम स्वरूप तमिलनाडु के 9 केंद्रों में 220 परीक्षार्थियों ने सम्मिलित होकर परीक्षा के कार्यक्रम को सफल बनाया। युवक परिषद के सदस्यों ने अपना अमूल्य समय प्रदान कर सभी केंद्रों पर जाकर परीक्षा का आयोजन करवाया। युवक परिषद् के उत्साहवर्धन हेतु परीक्षा के समय अजमेर राजस्थान में होने के कारण श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया व मनीषा कांकरिया ने परीक्षार्थी के रूप में परिषद् के अंतर्गत अजमेर केन्द्र से परीक्षा दी। तमिलनाडु के अनेक सदस्यों ने जोधपुर मे होने के कारण जोधपुर केन्द्र से परीक्षा दी। परिषद् के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल सहित पदाधिकारियों ने परीक्षा दी। तमिलनाडु के विभिन्न केंद्रों मे परीक्षा के प्रोत्साहन पुरस्कार के लाभार्थी आर नरेन्द्र वीरेन्द्र अभिषेक कांकरिया परिवार चेन्नई-भोपालगढ़ रहे।

वैष्णव महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा पर कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 8 अक्तूबर को द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय, चेन्नई के भारतीय ज्ञान परम्परा विभाग-भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ ने आई क्यू एसी के साथ मिलकर एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने कहा भारत में ज्ञान और विरासत की एक सतत लंबी परंपरा है, जो खगोल विज्ञान, चिकित्सा, भूविज्ञान आदि वैज्ञानिक अवधारणाओं में सूक्ष्म रूप से अंतर्निहित है। यह समझने और लागू करने का समय है। उन्होने विद्यार्थियों से कहा कि आज का समय सिर्फ क्लासरूम में पढ़ाई करने का समय नहीं है आपको ज्ञान अर्जित करना है फिर वो किसी भी प्लैटफ़ार्म से मिले।

सिद्धांता ज्ञान फाउंडेशन के उप निदेशक आर. कृष्णकुमार मुख्य अतिथि थे और उन्होंने अपने संबोधन में कहा, भारतीय ज्ञान परम्परा एक प्राचीन रूप है, जो रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों से शुरू होकर विज्ञान, चिकित्सा, कला, संस्कृति आदि के सूक्ष्म पहलुओं को कवर करता है। आईकेएस में वर्णित रणनीतियाँ और अभ्यास अद्भुत हैं और उनका पालन किया जाना चाहिए। इस जोशीले कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। छात्रों ने चर्चा भी की और विभिन्न शंकाओं को उठाया और अतिथियों ने उनका समाधान किया।

डॉ. वी. सौम्यनारायणन, संयोजक, आईकेएस ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया और समन्वय किया। डॉ. पी. मुरुगन, आईकेएस के सदस्य ने धन्यवाद दिया।

नवरात्रि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में नवरात्रि देवी दुर्गा के सम्मान में मनाई जाती है। स्कूल परिसर में गोलू प्रदर्शन लगाया गया। विशेष पूजा की गई और प्रसाद वितरित किया गया। छात्र पारंपरिक परिधान पहनकर आए थे। हमारे स्कूल के छात्रों ने देवी पार्वती की स्तुति में गीत गाए और भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न कक्षाओं की लगभग 100 बालिकाओं के समूह ने गरबा प्रदर्शन किया।

मेहंदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट के जैन भवन में मुमुक्षु दीपिका की दीक्षा के पूर्व कार्यक्रमों में मंगलवार को मेहन्दी का आयोजन रखा गया। समारोह के लाभार्थी महेंद्र कटारिया-संगीता बेंगलोर, दीक्षार्थी बहन के सांसारिक माता पिता योगेश और मन्जू जोधपुर और कुमकुम के लाभार्थी बालचन्द भंडारी कुचेरा वाले सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति थी। श्राविकाओं ने मुमुक्षु दीपिका के विदाई गीत प्रस्तुत किया। अनेक महिलाओं ने मेहंदी लगवाई। साध्वी राजमती जी महाराज सा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सांसारिक मेहन्दी तो कच्ची हो सकती है लेकिन आध्यात्मिक मेहन्दी पक्की संयम के कठोर मार्ग पर चलकर जीवन मृत्यु के चक्र को हमेशा के लिए समाप्त करना चाहिए।संघ अध्यक्ष प्रकाश चन्द खिवसरा ने लोगों से दीक्षा पर ज्यादा से ज्यादा पधारकर दीक्षा महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया।

जैन महासंघ के अध्यक्ष बने अरविन्द शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां 6 अक्टूबर को जैन महासंघ की साधारण सभा में अरविन्द भाई शाह को नए अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित किया गया। कार्यसमिति के 30 सदस्यों का भी निर्विरोध चयन हुआ। कोयम्बटूर में आने वाले पहले जैन परिवार से आने वाले अरविन्द भाई शाह (मेसर्स टी.वी. ब्रदर्स) वरिष्ठ समाज सेवी हैं। जो पिछले कई वर्षों से श्री वर्धमान तप आयम्बिल खातु में सचिव के रूप में अपनी सेवायें दे रहे हैं। निवर्तमान अध्यक्ष भवरलाल कोठारी एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल हेतु उन्हें शुभकामनायें दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने पहले उदबोधन में कोयम्बतूर जैन समाज को एकता को मजबूत करने एवं जैन समाज के हितार्थ निरन्तर सेवारत रहने का विश्वास दिलाया।

आयंबिल की साधना शक्ति जागरण का सशक्त माध्यम है : साध्वीश्री उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वी उदितयशाजी की प्रेरणा से सामूहिक आयंबिल का आयोजन तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में हुआ। णमो णाणस्य के जाप से एवं साध्वीश्री के मंगल पाठ से अनुष्ठान प्रारंभ किया गया। साध्वीश्री ने कहा कि 10 प्रत्याख्यान में एक तप है आयंबिल।

आयंबिल की साधना शक्ति जागरण का सशक्त माध्यम है। यहां तक भी कहा गया है कि, यदि 6 महीने तक नमक का प्रयोग ना करने से जहर भी असर नहीं करता। नवरात्रि में आयंबिल की साधना करने से ग्रह नक्षत्र का प्रतिकूल प्रभाव भी समाप्त हो जाता है। किरणराज अभिजीत सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। कुल मिलाकर 68 आयंबिल तप हुए। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती, संयोजिका संगीता आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष निर्मला सोलंकी, संतोष सोलंकी, सपना सोलंकी आदि महिलाएं उपस्थित थे।

डीपीएच हाईस्कूल में ‘प्रोग्रेसिव इंडिया’ नामक वार्षिकोत्सव मनाया

बेंगलूरु। स्थानीय हिंदी शिक्षण संघ द्वारा विक्टोरिया रोड पर संचालित संस्था डीपीएच हाईस्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह ‘प्रोग्रेसिव इंडिया’ कार्यक्रम सेंट जोसेफ कॉलेज शांतिनगर के ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। महामंत्री शांतिलाल चोपड़ा, कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली, संस्था के निदेशक अनिल भंसाली, प्राचार्या रेणुका तथा मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप नायर, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के प्राचार्य, दि वैली स्कूल के मंत्री जयरा, कला शिक्षिका नलिनी जयराम तथा बांसुरी वादक राजचंद्रन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया।

गुरु दर्शन यात्रा संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एसएमएस विहार सेवा ग्रुप के 51 सदस्यों ने चेन्नई में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्यश्री महेन्द्रऋषिजी के 58वें जन्मोत्सव पर गुरु दर्शन यात्रा के तहत युवाचार्य महेन्द्रऋषिजी, साध्वी कंचनकंवरजी, साध्वीश्री राजमतीजी, साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी आदि के दर्श कर मांगलिक का लाभ लिया। सभी साधु साध्वियों ने एसएमएस विहार सेवा ग्रुप की सेवाओं की सराहना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.